सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

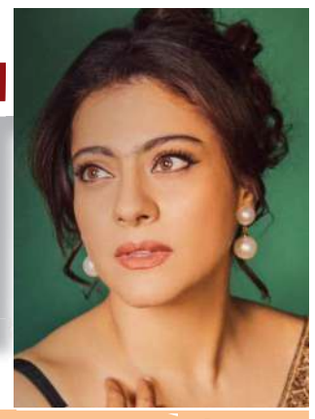

इंग्लैंड के खिलाफ ऋषभ पंत ने सेंचुरी ठोक कर रचा इतिहास, ऐसा करने वाले पहले भारतीय बने -पेज: 7

अपने ही बच्चों को क्यो नहीं पसंद काजोल की फिल्में? -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 76 | मंगलवार 24 जून 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 4 रुपए

ईरान की जंगों वाली जमीन: कभी चंगेज तो कभी अमेरिका से लड़ी लड़ाई, अब भी थमा नहीं खूनी इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी): ईरान यानी प्राचीन फारस, दुनिया के सबसे पुराने और समृद्ध इलाकों में से एक रहा है। इसका भौगोलिक स्थान ऐसा है कि ये सदियों से आक्रांताओं की नजर में रहा है। चाहे अरबों का हमला हो, मंगोलों की तबाही हो या आज के जमाने में इजरायल और अमेरिका के साथ संघर्ष ईरान लगातार जंग के साए में रहा है। पुराने समय में ईरान को फारस कहा जाता था। ये इलाका सिर्फ व्यापार और संस्कृति के लिए नहीं, बल्कि रणनीतिक लिहाज से भी बेहद अहम था। फारस की समृद्धि इतनी थी कि कई बार इसकी धरती पर अलग-अलग साम्राज्य कब्जा करने पहुंचे। नतीजा? युद्ध, सत्ता परिवर्तन और जनसंहार। 7वीं सदी में ईरान में सासानी साम्राज्य का बोलबाला था। लेकिन इसी दौरान अरबों ने इस पर हमला कर दिया। कई युद्धों के बाद सासानी सत्ता खत्म हो गई और ईरान में इस्लाम की शुरूआत हुई। यही वह दौर था जब फारसी समाज में शिया

ईरान यानी प्राचीन फारस, दुनिया के सबसे पुराने और समृद्ध इलाकों में से एक रहा है। इसका भौगोलिक स्थान ऐसा है कि ये सदियों से आक्रांताओं की नजर में रहा है। चाहे अरबों का हमला हो, मंगोलों की तबाही हो या आज के जमाने में इजरायल और अमेरिका के साथ संघर्ष...

समुदाय का जन्म हुआ और पारंपरिक फारसी संस्कृति के साथ इस्लामी सोच का मेल शुरू हुआ। तुर्कों की एंट्री और सत्ता पर कब्जा 11वीं और 12वीं सदी में तुर्कों ने ईरान पर हमला बोला। इन हमलों के चलते फारसी सत्ता को एक बार फिर झटका लगा। तुर्कों ने कई लड़ाइयां लड़ीं और यहां की सत्ता हथिया ली। इससे ईरान का सांस्कृतिक ढांचा भी प्रभावित हुआ लेकिन फारसी पहचान पूरी तरह नहीं मिट सकी। चंगेज खान की तबाही: शहर खून में डूबे 13वीं सदी की शुरूआत में मंगोल नेता चंगेज खान ने ईरान की ओर रुख किया। 1219 से 1260 के बीच उसने एक के बाद एक शहरों को तबाह किया। लाखों लोगों का नरसंहार हुआ, संस्कृति को ध्वस्त किया गया और ईरान का मानचित्र खून में डूब गया। बाद में चंगेज की अगली पीढ़ी ने इस्लाम तो अपनाया, लेकिन फारसी संस्कृति को भी अपनाकर उसे जिंदा रखा। इस्लामिक क्रांति के बाद भी नहीं रुकी जंग 1979 में ईरान में इस्लामिक क्रांति हुई। इस क्रांति में पश्चिम समर्थक सरकार को हटाकर धार्मिक नेता आयतुल्ला खुमैनी सत्ता में आए। लोगों को उम्मीद थी कि अब स्थिरता आएगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके बाद अमेरिका और इजरायल ने ईरान को एक खतरे के रूप में देखना शुरू किया और तब से यह देश लगातार वैश्विक टकरावों में उलझता चला गया। अमेरिका और इजरायल से रिश्ते सबसे बुरे इस्लामिक क्रांति के बाद से ही अमेरिका और इजरायल के साथ ईरान के रिश्ते तनावपूर्ण हो गए। कभी परमाणु कार्यक्रम के नाम पर दबाव तो कभी ड्रोन हमलों के बहाने, ईरान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार निशाना बनाया गया। आज 2025 में भी जब अमेरिका और इजरायल मिलकर ईरान पर हमला बोलते हैं, तो यह इतिहास का ही दोहराव लगता है।

इजराइल-ईरान विवाद पर सरकार से नैतिक साहस की मांग: कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिका के हमले तथा इजराइली आक्रामकता" की अब तक निंदा नहीं की है और वह गाजा में नरसंहार" पर भी चुप है। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अब सरकार को पहले की तुलना में अधिक नैतिक साहस का परिचय देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के साथ कूटनीतिक बातचीत होनी चाहिए। अमेरिका ने रविवार तड़के ईरान में तीन यूरेनियम संवर्धन केन्द्रों फोर्दो, नतांज और इस्फहान पर हमला किया था। पिछले 10 दिन से ईरान और इजराइल के बीच सैन्य संघर्ष जारी है। रमेश ने एक्स' पर पोस्ट किया, ईरान पर अमेरिकी वायुसेना का इस्तेमाल करने का राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का निर्णय ईरान के साथ बातचीत जारी रखने के उनके अपने आह्वान का मजाक है।" उन्होंने कहा कि कांग्रेस, ईरान के साथ तत्काल कूटनीति और बातचीत की अनिवार्यता को दोहराती है। कांग्रेस नेता ने कहा, "भारत सरकार को अब तक की तुलना में अधिक नैतिक साहस का प्रदर्शन करना चाहिए। उन्होंने दावा किया, "मोदी सरकार ने स्पष्ट रूप से अमेरिकी बमबारी और इजराइल की आक्रामकता, बमबारी और लक्षित हत्याओं की न तो आलोचना की है और न ही निंदा की है।

ईरान से वापस आए 285 और लोग, 1700 से अधिक भारतीयों को सुरक्षित निकालकर लाया गया भारत

नई दिल्ली (एजेंसी): ईरान में जारी संघर्ष के बीच भारत सरकार ने 'ऑपरेशन सिंधु' के तहत अपने नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने का काम तेज कर दिया है। रविवार रात को एक और विशेष उड़ान के जरिए 285 भारतीय नागरिकों को भारत लाया गया, जिससे अब तक कुल 1,713 भारतीयों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। 285 नागरिक दिल्ली पहुंचे रविवार रात 11:30 बजे माशहद ईरान से चली विशेष उड़ान नई दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरी। विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने खुद एयरपोर्ट पर भारतीय नागरिकों का स्वागत किया। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि ऑपरेशन सिंधु के तहत यह अब तक की कुल आठवीं फ्लाइट थी। "भारत

के बचाव प्रयास जारी हैं। माशहद से आई विशेष फ्लाइट से 285 भारतीय नागरिक नई दिल्ली पहुंचे, जिन्हें विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने प्राप्त किया। अब तक कुल 1,713 भारतीय नागरिक ईरान से स्वदेश लाए जा चुके हैं।" भारतीयों की भावुक प्रतिक्रियाएं ईरान से लौटे लोगों ने भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया... लखनऊ के फजल अब्बास ने कहा- "बहुत अच्छा लग रहा है। पीएम मोदी हम सबको परिवार की तरह मानते हैं। उन्होंने हमें ईरान के कोनों से निकाल कर घर वापस पहुंचाया।" एक अन्य प्रवासी एसएन जैदी ने कहा- "हमारी सरकार, दूतावास और विदेश मंत्रालय का धन्यवाद करता हूं।" मार्शल नाम के एक प्रवासी ने कहा- "शब्दों में वो भावनाएं बयान नहीं की जा सकतीं जो भारत लौटने के बाद महसूस हो रही हैं।" रजा नाम के एक और नागरिक ने कहा- "भारतीय दूतावास बहुत मेहनत कर रहा है। हमें पूरा भरोसा था कि मोदी सरकार हमें बचा लेगी।" एक दिन में दो फ्लाइट्स से आए कुल 596 नागरिक रविवार को पहले भी एक फ्लाइट 311 भारतीय नागरिकों को लेकर नई दिल्ली पहुंची थी। यह फ्लाइट माशहद से दोपहर 4:30 बजे पहुंची थी। इस प्रकार रविवार को ही कुल 596 भारतीयों को सुरक्षित वापस लाया गया।

मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक के लिये गृह मंत्री अमित शाह पहुंचे वाराणसी

वाराणसी (एजेंसी): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार शाम दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी पहुंचे। यहां लाल बहादुर शास्त्री हवाई अड्डे पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शाह का स्वागत किया। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। आधिकारिक बयान के अनुसार शाह वाराणसी में अपने दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन मंगलवार को मध्य क्षेत्रीय परिषद की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल होंगे। सोमवार शाम सभी अतिथि काशी कोतवाल

काल भैरव और बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा आयोजित रात्रिभोज में शामिल होंगे। मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक 24 जून को पूर्वाह्न करीब 11 बजे से दो बजे तक ताज होटल में प्रस्तावित है। अधिकारियों ने बताया कि बैठक को लेकर प्रशासन की तैयारियां हो चुकी हैं। सुरक्षा की भी चाक चौबंद व्यवस्था की गई है। अधिकारियों ने बताया कि मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक काशी में पहली बार हो रही है। चौबीस जून को प्रस्तावित 25वीं मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी रहेंगे। होटल ताज में लगभग 11 बजे से दोपहर दो बजे तक चलने वाली बैठक में सुरक्षा और विकास समेत कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा होगी। इस बैठक में चारों राज्यों के मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव समेत कई विशिष्टजन तथा नीति आयोग के साथ अंतरराज्यीय परिषद के प्रतिनिधि भी भाग लेंगे।

अधिकारियों ने बताया कि बैठक को लेकर प्रशासन की तैयारियां हो चुकी हैं। सुरक्षा की भी चाक चौबंद व्यवस्था की गई है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद असम में 97 राष्ट्र विरोधी' गिरफ्तार: हिमंत

असम (एजेंसी): पहलगाम आतंकी हमले के बाद असम के विभिन्न हिस्सों से कथित तौर पर हिंदू विरोधी' होने के आरोप में दो और लोगों को गिरफ्तार किए जाने के बाद अब तक ऐसे मामलों में कुल 97 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को यह जानकारी दी। शर्मा ने एक्स' पर लिखा कि तिनसुकिया और नगांव जिलों से एक-एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा, हिंदू विरोधी तत्वों पर कार्रवाई जारी... 97 राष्ट्र विरोधी और हिंदू विरोधी अपराधी अब सलाखों के पीछे।" मुख्यमंत्री ने कहा कि तिनसुकिया से गिरफ्तार व्यक्ति ने हिंदू धर्म पर आपत्तिजनक सामग्री सोशल मीडिया पर साझा की थी, जबकि नगांव के आरोपी ने भगवान राम पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। इससे पहले, विपक्षी एआईयूडीएफ विधायक अमीनुल इस्लाम को

पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान और उसकी मिलीभगत का कथित तौर पर बचाव करने के लिए देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। मामले में जमानत मिलने के बाद, इस्लाम को फिर से राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत में लिया गया। शर्मा ने दो मई को जम्मू-कश्मीर आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान जिंदाबाद' का नारा लगाने वालों की टांगें तोड़ने' की धमकी दी थी। पंचायत चुनावों के लिए एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने लोगों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय सेना को ताकत देने और प्रार्थना करने की अपील की थी, ताकि दुनिया में कहीं भी छिपे पाकिस्तानी आतंकवादियों को पकड़कर उनकी टांगें तोड़ दी जाएं'। गत 22 अप्रैल को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में एक प्रमुख पर्यटक स्थल पर आतंकवादियों ने हमला कर दिया, जिसमें 26 लोग मारे गए, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे।

अगर ईरान बंद कर देता है होर्मुज जलडमरूमध्य तो भारत के पास क्या है प्लान बी, पेट्रोलियम मंत्री ने बता दी स्ट्रेटजी

नई दिल्ली (एजेंसी): पश्चिमी एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत सरकार तेल और गैस की आपूर्ति और कीमतों (तेल की कीमतें) पर पैनी नजर रखे हुए है। खबरों के मुताबिक, अमेरिका की ओर से ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद ईरान हॉर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की योजना बना रहा है। यह जलडमरूमध्य दुनिया के पांचवें हिस्से के तेल और गैस की आपूर्ति का अहम रास्ता है। भारत इस रास्ते से अपनी तेल जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। अगर ये बंद होता है तो इससे प्रभाव पड़ने की आशंका रहती है। हालांकि, सरकार ने भरोसा दिलाया है कि जनता को ईंधन मिलता रहेगा और आपूर्ति में कमी नहीं होगी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत पिछले दो हफ्तों से मध्य पूर्व के हालात पर नजर रख रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तेल आपूर्ति के स्रोतों में विविधता लाने की बात कही। कीमतों पर अटकलें मुश्किल, लेकिन बाजार

संभल सकता है एएनआई से बातचीत में हरदीप सिंह पुरी ने कहा, "कीमतों के बारे में अटकलें लगाना बहुत मुश्किल है। लंबे समय तक तेल की कीमत 65 से 70 डॉलर के बीच थी, फिर 70 से 75 डॉलर के बीच रही। जब सोमवार को बाजार खुलेंगे, तो हॉर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने का असर कीमतों में दिखेगा। लेकिन जैसा कि मैं लंबे समय से कह रहा हूं, वैश्विक बाजारों में पर्याप्त तेल उपलब्ध है। खास तौर पर पश्चिमी गोलार्ध से तेल की आपूर्ति बढ़ रही है।" उन्होंने कहा, "पारंपरिक आपूर्तिकर्ता भी आपूर्ति बनाए रखने में रुचि रखेंगे, क्योंकि उन्हें भी राजस्व चाहिए। उम्मीद है कि बाजार इसे ध्यान में रखेगा। मोदी सरकार ने पिछले कई सालों में न केवल आपूर्ति की स्थिरता सुनिश्चित की है, बल्कि कीमतों को किफायती भी रखा है। हम हर जरूरी कदम उठाएंगे।" हालांकि, जानकार मानते हैं कि तेल और गैस एक "बेहद संवेदनशील" क्षेत्र है, और छोटी-सी रुकावट भी वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में बड़ा उछाल ला सकती है। अगर हॉर्मुज जलडमरूमध्य का बंद होना "एक हफ्ते से ज्यादा" चलता है, तो यह वैश्विक अर्थव्यवस्था को झटका दे सकता है और भारत भी इसके असर से अछूता नहीं रहेगा। स्थिति जल्द सामान्य होने की उम्मीद भारत रूस से कच्चा तेल आयात कर रहा है, लेकिन इसका फायदा छूट और कीमतों के रुझान पर निर्भर करता है। एनडीटीवी ने एक सूत्र के हवाले से कहा कि अगर कच्चे तेल की कीमत 105 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर जाती है, तो सरकार ईंधन पर उत्पाद शुल्क में कटौती की समीक्षा कर सकती है।

इजरायल ने बरसाए बम तो खामेनेई को याद आया 'दोस्त' रूस, विदेश मंत्री को दूत बनाकर भेजा

नई दिल्ली एजेंसी): ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनई ने सोमवार को अपने विदेश मंत्री को मॉस्को भेजा ताकि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अमेरिका के हालिया हमलों के बाद ज्यादा सहायता मांगी जा सके। यह हमला 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद ईरान पर अमेरिका का सबसे बड़ा सैन्य कार्रवाई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल ने खामेनई की हत्या और ईरान में सत्ता परिवर्तन की बातें की हैं, जिससे रूस को डर है कि मध्य पूर्व अराजकता में डूब सकता है। ईरानी विदेश मंत्री ने राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की है। पुतिन ने इजरायल के हमलों की निंदा की है, लेकिन ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमलों पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की। पिछले हफ्ते उन्होंने शांति की अपील की थी और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर मध्यस्थता की पेशकश की थी। खामेनई का पत्र और ईरान की नाराजगी रॉयटर्स ने एक सूत्र के हवाले से बताया कि ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराकची खामेनई की एक चिट्ठी पुतिन को सौंपने वाले हैं। इस चिट्ठी में कथित तौर पर समर्थन है जिसमें रूस से समर्थन मांगा गया है। ईरानी सूत्रों ने कहा कि ईरानी सरकार रूस के अब तक के समर्थन से खुश

नहीं है और चाहता है कि पुतिन इजरायल और अमेरिका के खिलाफ ज्यादा सक्रिय हो। हालांकि, यह साफ नहीं है कि ईरान किस तरह की मदद चाहता है। क्रेमलिन ने कहा कि पुतिन अराकची से मुलाकात करेंगे, लेकिन चर्चा के विषयों का जिक्र नहीं किया। तास न्यूज एजेंसी के हवाले से अराकची ने कहा कि ईरान और रूस मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव पर अपनी रणनीति में तालमेल कर रहे हैं। पुतिन ने बार-बार अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता की पेशकश की है और कहा है कि उन्होंने इस संघर्ष को सुलझाने के लिए मॉस्को के विचार दोनों पक्षों तक पहुंचाए हैं, ताकि ईरान को नागरिक परमाणु ऊर्जा तक पहुंच मिल सके। पिछले हफ्ते पुतिन ने खामेनई की हत्या की संभावना पर चर्चा करने से इनकार कर दिया। पुतिन ने चली फूंक-फूंककर चाल पुतिन ने कहा कि इजरायल ने मॉस्को को भरोसा दिया है कि ईरान में बुशहर परमाणु संयंत्र में दो और रिएक्टर बनाने में मदद कर रहे रूसी विशेषज्ञों को हवाई हमलों में नुकसान नहीं पहुंचेगा। रूस, ईरान का पुराना सहयोगी है। ईरान के परमाणु वाताओं में अहम भूमिका निभाता है। वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का वीटो शक्ति वाला सदस्य है । लेकिन पुतिन ने अभी तक ईरान को लेकर अमेरिका से टकराव में कूदने की कोई इच्छा नहीं दिखाई है। इसकी एक वजह ये भी है कि रूस खुद चार साल से जंग में उलझा है। खासकर तब, जब ट्रंप रूस के साथ रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहे हैं।

अमेरिका के हालिया हमलों के बाद ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनई ने रूस से अधिक सहायता मांगने के लिए अपने विदेश मंत्री को मॉस्को भेजा। यह हमला 1979 की क्रांति के बाद ईरान पर

संपादकीय

जवाबदेही है जरूरी

चुनाव आयोग ने कहा है कि मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग फुटेज सार्वजनिक करना सही नहीं है। इससे मतदाताओं या समूहों की पहचान करना आसान हो जाएगा। मत देने या मत न देने वाला, दोनों ही असामाजिक तत्वों के दबाव, भेदभाव या धमकी का शिकार हो सकते हैं। यह मतदाताओं की सुरक्षा, गोपनीयता व जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950-51 में निर्धारित कानूनी प्रावधानों व सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों का उल्लंघन होगा। लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को दिए जवाब में आयोग ने यह कहा जिसमें चुनाव धांधली के आरोपों के बाद सीसीटीवी फुटेज की मांग की गई थी। इससे पहले गांधी ने सोशल माडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, वोटर लिस्ट? मशीन रीडेबल फाम्रेट नहीं देंगे, सीसीटीवी फुटेज? कानून बदल कर छिपा दी। आगे उन्होंने लिखा-साफ दिख रहा है-मैच फिक्स है और फिक्स किया गया चुनाव, लोकतंत्र के लिए जहर है। दरअसल, आयोग के अनुसार, चुनाव के दौरान ली गई तस्वीरें, वीडियो व बेवकास्टिंग सिर्फ पैंतालीस दिन तक सुरक्षित रखी जाएंगी। किसी निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव नतीजों को अदालत में चुनौती नहीं दी जाती तो पैंतालीस दिन बाद यह डाटा नष्ट कर दिया जाएगा। कांग्रेस इसका शुरू से ही दोहरा रही है कि यह डाटा साल भर तक सुरक्षित रखा जाता था। कांग्रेस इसे चुनाव आयोग व मोदी सरकार की मिली-भगत ठहराते हुए लोक तांत्रिक व्यवस्था को खत्म करने की साजिश बता रही है। बेशक, आयोग के तर्क अपनी जगह उचित हैं मगर उसे सरकार के दबाव में आए बगैर अपनी स्वायत्तता का ख्याल रखना चाहिए। विपक्षी दलों की दलीलें सुनना उसका जिम्मा है। आशंकाओं व चिंताओं को मिटाने के प्रति उसे जवाबदेह भी होना होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में न केवल विपक्षी राजनीतिक दल, बल्कि स्वयं मतदाता भी अपनी जिज्ञासाएं रखने को स्वतंत्र है। मतदाताओं की सुरक्षा व गोपनीयता निश्चित रूप से बेहद जरूरी हैं। मगर अपने उम्मीदवार के पक्ष-विपक्ष या धांधली के आरोपों की पुष्टि कराना भी दलों का जिम्मा है। अव्वल तो गांधी को बगैर सबूतों के इतने गंभीर आरोप लगाने से बचना चाहिए परंतु आयोग को भी उनकी आशंकाएं मिटाने का भरपूर प्रयास करना होगा। पैंतालीस दिन किसी भी आशंका या आरोप के लिए कम नहीं कहे जा सकते। आयोग को वरिष्ठ पदाधिकारियों को बुला कर अति सुरक्षित व गोपनीय व्यवस्था में विवादित फुटेज दिखाने का प्रावधान भी जोड़ना होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही अति आवश्यक है।

चिंतन-मनन

शाश्वत प्रेम अंतहीन है

प्रेम कितना ही होता जाए, अधूरा ही बना रहता है। वह परमात्मा जैसा है। कितना ही विकसित होता जाए, पूर्ण से पूर्णतर होता जाता है, फिर भी विकास जारी है। जैसे प्रेम का अधूरापन ही उसकी शाश्वतता है। ध्यान रखना कि जो चीज पूरी हो जाती है, वह मर जाती है। पूर्णता मृत्यु है; क्योंकि फिर बचा नहीं कुछ करने को, होने को कुछ बचा नहीं, आगे कोई गति न रही। जो चीज पूर्ण हो गयी, वह मर गयी। मर ही जायेगी, क्योंकि फिर क्या होगा? सिर्फ वही जी सकता है जो शाश्वत रूप से अपूर्ण है, अधूरा है, आधा है। तुम कितना ही भरो, वह अधूरा रहेगा। आधा होना उसका स्वभाव है। तुम कितने ही तृप्त होते जाओ, फिर भी पाओगे कि हर तृप्ति और अतृप्त कर जाती है। जितना पीते हो, उतनी ही प्यास बढ़ती चली जाती है। यह ऐसा जल नहीं है कि पी लो और तृप्त हो जाओ। यह प्यास को और जलाएगा।
इसलिए प्रेमी कभी तृप्त नहीं होता। उसके आनंद का कोई अन्त नहीं है। क्योंकि आनंद का वहीं अन्त हो जाता है, जहां चीजें पूरी हो जाती हैं। कामी तृप्त हो सकता है, प्रेमी नहीं। काम का अन्त है, सीमा है; प्रेमी का कोई अन्त नहीं, कोई सीमा नहीं। प्रेम आदि-अनादि है। वह ठीक परमात्मा के स्वरूप का है। इस जगत में प्रेम परमात्मा का प्रतिनिधि है, समय की धारा में समयातीत का प्रवेश है, मनुष्य की दुनिया में अतिमानवीय किरण का आगमन है। प्रेम प्रतीक है यहां परमात्मा का और उसका स्वभाव परमात्मा जैसा है। परमात्मा कभी पूरा नहीं होगा, नहीं तो समाप्त हो जाएगा। उसकी पूर्णता बड़ी गहन अपूर्णता जैसी है।

चिंतन-मनन

कर्म से बना है वर्ण

मेरे द्वारा चार वर्णों की रचना गुण और कर्मों के हिसाब से की जाती है, फिर भी तू मुझे कभी न खत्म होना वाला और कर्मों के बंधन से मुक्ति ही जान ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र ये चार वर्ण हैं, अब ऐसा मान लेते हैं कि जो जिस घर में जन्म लेता है, वह उसी वर्ण का कहलाता है। जबकि वर्ण व्यवस्था गुण और कर्म के आधार पर शुरू हुई थी। पहले जब बच्चे को पढ़ाई के लिए गुरुकुल भेजा जाता था, तब तक वह किसी वर्ण का नहीं कहलाता था। वहां गुरु अपने शिष्यों की रुचि को जानकर उसके हिसाब से उन्हें पढ़ाते थे।
वेदों को पढ़ने में रुचि लेने वालों को ब्राह्मण, युद्ध कला में महारथी को क्षत्रिय, व्यापार में रुचि वाले को वैश्य और सेवा भाव वाले को शूद्र की उपाधि दी जाती थी। इसके बाद वे समाज में उसी के हिसाब से काम करते थे। यही भगवान कह रहे हैं कि मैंने गुणों और कर्मों के आधार पर चार वर्णों की रचना की हैं, जिससे सभी मनुष्य कर्मों में लगे रहें। ये सब करते हुए भी तुम मुझे कभी न खत्म होने वाला और कुछ न करने वाला जानो। सब कुछ करते हुए भी भगवान कह रहे हैं कि मैं कुछ भी नहीं करता।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

इजरायल- ईरान युद्ध मे अमेरिका कूदा, विश्व युद्ध या शांति?

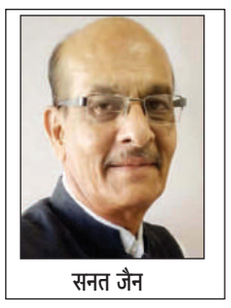
सनत जैन

जून 22 को जब भारत में रात के लगभग 2:30 बजे थे, तब पश्चिम एशिया में एक नए युद्ध की आहट गूंज रही थी। अमेरिकी विमानों ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों– फोर्दो, नतांज और इस्फहान पर हमला किया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह घोषणा की, अमेरिका ने एक सफल सैन्य कार्रवाई की है। अब शांति कायम करना ईरान के हाथ में है। सवाल यह है, क्या अमेरिका की यह कार्यवाही तीसरे विश्व युद्ध की दस्तक है, या शांति की नई शुरूआत के रूप में इसे देखा जा सकता है। इजराइल ने इस हमले को ऐतिहासिक और अमेरिका का निर्णायक कदम बताया है। ईरान ने इसे बर्बर हमला और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की अवहेलना बताते हुए इस हमले का विरोध किया है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने चेतावनी दी है, यह संकट नियंत्रण से बाहर जा सकता है। इसका असर पूरी दुनिया की स्थिरता पर पड़ेगा। एक तरह से उन्होंने भी तृतीय विश्व युद्ध की आशंका जाहिर की है। इस हमले ने विश्व मंच पर अमेरिका की भूमिका को फिर से कठघरे में लाकर खड़ा कर दिया है। अमेरिकी कांग्रेस में विरोध की आवाजें उठ रही हैं। यह कदम संवैधानिक अधिकारों के और अंतरराष्ट्रीय संधि कानून उल्लंघन के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिका के भीतर भी इस कार्रवाई का विरोध हो रहा है, अंतरराष्ट्रीय समुदाय में चिंता है, अमेरिका की इस कार्रवाई से मिडिल ईस्ट में अस्थिरता एवं तनाव का जो तूफान उठा है इसका मुकाबला किस तरीके से किया जा सकता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यह हमला ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने का रणनीतिक कदम है या एक और अनंत युद्ध के रूप में तीसरे युद्ध का आगाज है? ईरान ने दावा किया है, कि उसकी परमाणु गतिविधियां जारी रहेंगी। अमेरिकी हमले से ठिकानों को अधिक नुकसान नहीं पहुंचा है। इसका अर्थ यह ईरान का केवल एक ह्यसंदेशह्न था या उसका शक्ति प्रदर्शन था। जिसमें अमेरिका के इस हमले से उसे कोई नुकसान नहीं हुआ है। इसका दूसरा पहलू है, वैश्विक राजनीति, शक्ति और व्यापार के रूप में, क्या रूस और चीन इस संघर्ष से दूर रहेंगे। वैश्विक समीकरण को ध्यान में रखते हुए ईरान की ओर से कूटनीतिक समर्थन को लेकर चीन और रूस आगे आएंगे? वर्तमान में इजरायल और ईरान के बीच जो युद्ध शुरू हुआ है। अमेरिका के युद्ध में कूद जाने के बाद यह युद्ध क्या दुनिया को दो ध्रुवों में बांटने की शुरूआत है। क्या अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, विशेषकर तेल आपूर्ति, मुद्रा, एवं वैश्विक शक्ति पर संतुलन बनाए रखने की दिशा में इसका घातक प्रभाव क्या हो सकता है। इसको लेकर सभी देश आशंकित हैं। अमेरिका ने अनायास जो कदम उठाया है, उसने अमेरिका की छवि को खराब करने का काम किया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 15 दिन के बाद निर्णय लेने की बात कही थी, लेकिन दो दिन बाद ही उन्होंने हमला कर दिया। इसके पहले भी 15 दिन बचने के 1 दिन पहले ही इसराइल ने ईरान के ऊपर हमला कर दिया था। अमेरिका का यह हमला एक नए संकट की शुरूआत है? युद्ध की लपटें अगर भड़कीं, तो न केवल मिडिल ईस्ट, बल्कि पूरी दुनिया के देश उसकी चपेट में आ सकते हैं। इस स्थिति में समाधान सैन्य तरीके से नहीं, वरन कूटनीतिक और बातचीत के जरिए ही संभव हो सकता है। यही वक्त है जब दुनिया के सभी देशों को दुनिया में शांति बनाए रखने के लिए आगे आना होगा। अमेरिका ने जो ईरान के ऊपर कारवाई की है, उसका विरोध भी देखने को मिल रहा है। इसराइल पिछले कई माह से गाजा और आस-पास के देशों में नरसंहार कर रहा था। वैश्विक संस्थाओं के निदेर्शों का पालन नहीं कर रहा था। मानव अधिकार कानून को भी धता बता रहा था। अहंकार और आतंक के बल पर मिडिल ईस्ट के देशों के साथ तानाशाही कर रहा था। अमेरिका का उसे समर्थन मिल रहा था, जिसके कारण वह निरंकुश हो गया था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आने के बाद जिस तरह से अमेरिका ने इस मामले में चालबाजी के साथ ईरान के ऊपर हमला कर उसे नष्ट करने की चेष्टा की है। उससे अमेरिका और इजरायल की साख सारी दुनिया के देशों में घट रही है। ईरान के पक्ष में चीन और रूस के शामिल हो जाने के बाद इसके भयंकर परिणाम की आशंका से सारी दुनिया के देश आशंकित हो गए हैं।

रेयर अर्थ मैटेरियल : महाशक्ति बनने को निर्भरता जरूरी

हरीश शिवनानी

पूरी दुनिया का ध्यान इस समय जब ईरान-इजरायल और गाजा संघर्ष में उलझा है, इसी दौर में भारत, अमेरिका सहित अनेक देश एक अन्य महत्त्वपूर्ण मुद्दे पर उलझे हैं।
यह मुद्दा है धरती के गर्भ में पाए जाने वाले उन 17 दुर्लभ खनिजों का जिनके बगैर ऑटोमोबाइल और सैन्य-रक्षा सहित विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों का निर्माण संभव नहीं है। पिछले कुछ महीनों में हालात ज्यादा विकट होने चले हैं। 'रेअर अर्थ' की श्रेणी में आने वाले दुर्लभ खनिज वाणिज्यिक, औद्योगिक संसाधन भर नहीं हैं, ये तकनीकी संप्रभुता, रक्षा तैयारियों और औद्योगिक, आर्थिक और सैन्य महाशक्ति बनने की संभावनाओं की नींव हैं।
रेअर अर्थ मेटल 17 धातु तत्वों का एक समूह है, जिसमें 15 लैंथेनाइड्स धातुओं के अलावा स्कैंडियम भी और नियोडिमियम शामिल हैं। इनमें चुंबकीय, ल्यूमिनसेंट और इलेक्ट्रोकेमिकल के विशेष गुण होते हैं, जिनका उपयोग आधुनिक उच्च तकनीक उद्योग में किया जाता है। स्मार्टफोन, लैपटॉप और इलेक्ट्रिक वाहन बनाने के साथ मिसाइल, राडार और अत्याधुनिक हथियार बनाने के लिए ये 'अनिवार्य तत्व' हैं। रेअर अर्थ मैग्नेट सामान्य आयरन मैग्नेट से 20 गुना अधिक ताकतवर होता है, और कारों तथा कई अन्य उपकरणों में लगने वाली इलेक्ट्रिक मोटरों को बनाने के लिए जरूरी है।
यूएस भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण डेटा पर आधारित एक नये ग्लोबल मैप के मुताबिक यों तो कई देशों में इन दुर्लभ तत्वों के भंडार हैं, लेकिन सर्वाधिक चीन में 44 मिलियन मीट्रिक टन भंडार हैं। चीन के बाद अफ्रीका, मोरक्को और दक्षिण अफ्रीका, चिली, ब्राजील, यूक्रेन और ग्रीनलैंड में दुर्लभ अर्थ मेटल्स के विशाल भंडार हैं। दिक्कत यह है कि इन देशों में इनकी खुदाई और प्रोसेसिंग महंगी है। इससे भारी मात्रा में प्रदूषण भी निकलता है। इन सब में चीन के पास ही इनकी प्रोसेसिंग की क्षमता है। वर्तमान में दुर्लभ पृथ्वी धातुओं का 61 प्रतिशत भंडार चीन में है, और पूरी दुनिया में 90 फीसद का वही निर्यात करता है।
इन तत्वों को एक-दूसरे से अलग करना जटिल है। इसीलिए इन्हें 'रेअर' माना जाता है। रेअर अर्थ की वैश्विक सप्लाई चेन में चीन का दबदबा है। आधुनिक इंडस्ट्री में इनका महत्त्व यों समझा जा सकता है कि चीन ने जब अप्रैल में रेअर अर्थ मैग्नेट समेत छह तरह की बहुमूल्य धातुओं के निर्यात पर रोक का फैसला किया तो वैश्विक कंपनियों में खलबली मच गई और ऑटोमोबाइल उद्योग को विशेष रूप से झटका लगा क्योंकि इलेक्ट्रिक वाहनों में इस्तेमाल होने वाले शक्तिशाली इंजन मैग्नेट नियोडिमियम से बनते हैं। भारत में भी टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज मोटर्स दबाव में आ गए। सुजूकी कंपनी को अपनी स्विफ्ट कार का निर्माण कुछ समय के लिए स्थगित करना पड़ा।
ऐसा नहीं है कि भारत में ये दुर्लभ तत्व नहीं मिलते; भारत के पास तो विश्व में पांचवा सबसे बड़ा दुर्लभ खनिज भंडार है-करीब 6.9 मिलियन मीट्रिक टन। दुनिया में भारत की हिस्सेदारी छह फीसद है। इनमें केरल में थोरियम सैंड के अलावा आंध्र प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान में भी इनके भंडार हैं; लेकिन दुनिया भर की आपूर्ति का भारत में एक प्रतिशत हिस्सा ही उत्पादित होता है। इन खनिजों की तलाश, खदान का काम मोटे तौर पर सरकार के जिम्मे रहा है। ब्यूरो ऑफ माइंस और परमाणु ऊर्जा विभाग ये काम करते हैं। खनन और शोधन का काम 'इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड' के पास रहा है, लेकिन यह विडंबना है कि भारत अभी ऐसी तकनीक, मैकेनिज्म नहीं खड़ा कर पाया है, जो इन खनिजों से मैग्नेट बना कर खुद की जरूरतें पूरी कर सके।
भारत में जितने भी दुर्लभ अर्थ मैग्नेट उपयोग में आते हैं, वे अधिकतर चीन से आयात किए जाते हैं। 2023-24 में भारत ने 2270 टन और पिछले वित्तीय वर्ष में 53,748 मीट्रिक टन मैग्नेट आयात किए थे। इनका करीब अस्सी फीसद चीन से आयात हुआ। इस हालात को देखते हुए भारत ने अपने दुर्लभ खनिजों को रणनीतिक संपत्ति की तरह देखना शुरू कर दिया है।

इसी रणनीति के चलते भारत ने पिछले 13 वर्षो से जापान के साथ चल रहे समझौते को निलंबित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिसके तहत 'इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड' द्वारा खनन किए गए खनिज विशेषकर नियोडिमियम जापान भेजे जाते थे, लेकिन भारत ने तय किया है कि अपने घरेलू उद्योगों की जरूरतों को प्राथमिकता देगा और चीन पर निर्भरता कम करेगा। भारत के लिए वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने के लिए यह अब अनिवार्य हो गया है कि दुर्लभ तत्वों की तकनीक में अपने धुर प्रतिद्वंद्वी देश पर निर्भरता को घटाते हुए वह आत्मनिर्भरता के प्रयासों में तेजी लाए।

भारत में आध्यात्म एवं युवाओं के बल प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि के नए संकेत

जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और संभवत आगामी लगभग दो वर्षों के अंदर जर्मनी की अर्थव्यवस्था से आगे निकलकर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।
विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की अपनी अपनी विशेषताएं हैं, जिसके आधार पर यह अर्थव्यवस्थाएं विश्व में उच्च स्थान पर पहुंची हैं एवं इस स्थान पर बनी हुई हैं। प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आज भी कई विकसित देश भारत से आगे हैं।
इन समस्त देशों के बीच चूंकि भारत की आबादी सबसे अधिक अर्थात 140 करोड़ नागरिकों से अधिक है, इसलिए भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद बहुत कम है। अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 30.51 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 89, 110 अमेरिकी डॉलर हैं। इसी प्रकार, चीन के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 19.23 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 13, 690 अमेरिकी डॉलर है और जर्मनी के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.74 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 55, 910 अमेरिकी डॉलर है। यह तीनों देश सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में आज भारत से आगे हैं। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है तथा प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद केवल 2, 880 अमेरिकी डॉलर है।
भारत के पीछे आने वाले देशों में हालांकि सकल घरेलू उत्पाद का आकार कम जरूर है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में यह देश भारत से बहुत आगे हैं। जैसे जापान के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.18 लाख करोड़ है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 33, 960 अमेरिकी डॉलर है। ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.84 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 54, 950 अमेरिकी डॉलर है। फ्रान्स के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.21 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 46, 390 अमेरिकी डॉलर है। इटली के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.42 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 41, 090 अमेरिकी डॉलर है। कनाडा के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.23 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 53, 560 अमेरिकी डॉलर है। ब्राजील के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.13 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 9, 960 अमेरिकी डॉलर है।
सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व की

सबसे बड़ी 10 अर्थव्यवस्थाओं में भारत शामिल होकर चौथे स्थान पहुंच जरूर गया है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में भारत इन सभी अर्थव्यवस्थाओं से अभी भी बहुत पीछे है। इस सबके पीछे सबसे बड़े कारणों में शामिल है भारत द्वारा वर्ष 1947 में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात, आर्थिक विकास की दौड़ में बहुत अधिक देर के बाद शामिल होना। भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों की शुरूआत वर्ष 1991 में प्रारम्भ जरूर हुई परंतु इसमें इस क्षेत्र में तेजी से कार्य वर्ष 2014 के बाद ही प्रारम्भ हो सका है। इसके बाद, पिछले 11 वर्षों में परिणाम हमारे सामने हैं और भारत विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था से छलांग लगते हुए आज 4थी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। दूसरे, इन देशों की तुलना में भारत की जनसंख्या का बहुत अधिक होना, जिसके चलते सकल घरेलू उत्पाद का आकार तो लगातार बढ़ रहा है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद अभी भी अत्यधिक दबाव में है। अमेरिका में तो आर्थिक क्षेत्र में सुधार कार्यक्रम 1940 में ही प्रारम्भ हो गए थे एवं चीन में वर्ष 1960 से प्रारम्भ हुए। अतः भारत इस मामले में विश्व के विकसित देशों से बहुत अधिक पिछड़ गया है। परंतु, अब भारत में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में तेजी से कमी हो रही है तथा साथ ही अतिधनाडय एवं मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है, जिससे अब उम्मीद की जानी चाहिए कि आगे आने वाली समय में भारत में भी प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में तेज गति से वृद्धि होगी।
विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, अमेरिका में सेवा क्षेत्र इसकी सबसे बढ़ी ताकत है। अमेरिका में केवल 2 प्रतिशत आबादी ही कृषि क्षेत्र पर निर्भर है और अमेरिका की अधिकतम आबादी उच्च तकनीकी का उपयोग करती है जिसके कारण अमेरिका में उत्पादकता अपने उच्चत्तम स्तर पर है। पेट्रोलीयम पदार्थों एवं रक्षा उत्पादों के निर्यात के मामले में अमेरिका आज पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर है। वर्ष 2024 में अमेरिका ने 2.08 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के बराबर का सामान अन्य देशों को निर्यात किया है, जो चीन के बाद विश्व के दूसरे स्थान पर है। तकनीकी वर्चस्व, बौद्धिक सम्पदा एवं प्रौद्योगिकी नवाचार ने अमेरिका को विकास के मामले में बहुत आगे पहुंचा दिया है। टेक्निकल नवाचार से जुड़ी विश्व की पांच शीर्ष कम्पनियों में से चार, यथा एप्पल, एनवीडिया, माक्रोसोफ्ट एवं अल्फाबेट, अमेरिका की कम्पनियां हैं।
इन कम्पनियों का संयुक्त बाजार मूल्य 12 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी अधिक है, जो विश्व के कई देशों के सकल घरेलू उत्पाद से बहुत अधिक है। अतः अमेरिका के नागरिकों ने बहुत तेजी से धन सम्पदा का संग्रहण किया है इसी के चलते प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद अमेरिका में बहुत अधिक है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद वर्ष 1944 में अमेरिका के ब्रेटन वुड्स नामक स्थान पर हुई एतिहासिक बैठक में विश्व के 44 देशों ने वैश्विक वित्तीय व्यवस्था के नए ढांचे पर सहमति जताते हुए अपने देश की मुद्रा को अमेरिकी डॉलर से जोड़ दिया था। इसके बाद से वैश्विक अर्थव्यवस्था में अमेरिकी डॉलर का दबदबा बना हुआ है। आज विश्व का लगभग 80 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग लेन देन अमेरिकी डॉलर में होता है।
अमेरिका के बाद विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन को पूरे विश्व का विनिर्माण केंद्र कहा जाता है क्योंकि आज पूरे विश्व के औद्योगिक उत्पादन का 31 प्रतिशत हिस्सा चीन में निर्मित होता है। चीन में पूरे विश्व की लगभग समस्त कम्पनियों ने अपनी विनिर्माण इकाईयां स्थापित की हुई हैं। चीन के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण इकाईयों का योगदान 27 प्रतिशत से अधिक हैं। पूरे विश्व में आज उत्पादों के निर्यात के मामले में प्रथम स्थान पर है। विभिन्न उत्पादों का निर्यात चीन की आर्थिक शक्ति का प्रमुख आधार है। सस्ती श्रम लागत के चलते चीन में उत्पादित वस्तुओं की कुल लागत तुलनात्मक रूप से बहुत कम होती है। वर्ष 2024 में चीन का कुल निर्यात 3.57 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का रहा है।
विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अर्थात जर्मनी ने पिछले एक वर्ष में 25, 000 पेटेंट अर्जित किए हैं। जर्मनी को, ऑटोमोबाइल उद्योग ने, पूरे विश्व में एक नई पहचान दी है। चार पहिया वाहनों के उत्पादन एवं निर्यात के मामले में जर्मनी पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर है। जर्मनी में निर्मित चार पहिया वाहनों का 70 प्रतिशत हिस्सा निर्यात होता है। यूरोपीय यूनियन के देशों की सड़कों पर दौड़ने वाली हर तीसरी कार जर्मनी में निर्मित होती है। जर्मनी विश्व का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक देश है, जिसने 2024 में 1.66 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के बराबर राशि के उत्पाद एवं सेवाओं का निर्यात किया था। मुख्य निर्यात वस्तुओं में मोटर वाहनों के अलावा मशीनरी, रसायन और इलेक्ट्रिक उत्पाद शामिल हैं।
आज भारत सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व में चौथे पर पहुंच गया है परंतु भारत को प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में जबरदस्त सुधार करने की आवश्यकता है। भारत पूरे विश्व में आध्यात्म के मामले में सबसे आगे है अतः भारत को धार्मिक पर्यटन को सबसे तेज गति से आगे बढ़ाते हुए युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर निर्मित करने चाहिए जिससे नागरिकों की आय में वृद्धि करना आसान हो। दूसरे, भारत में 80 करोड़ आबादी का युवा (35 वर्ष से कम आयु) होना भी विकास के इंजन के रूप में कार्य कर सकता है। भारत की विशाल आबादी ने भारत को विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में अपना योगदान दिया है।
भारत की अर्थव्यवस्था में विविधता झलकती है और यह केवल कुछ क्षेत्रों पर निर्भर नहीं है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का योगदान 16 प्रतिशत है तथा रोजगार के अधिकतम अवसर भी कृषि क्षेत्र से ही निकलते हैं, जिसके चलते प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद विपरीत रूप से प्रभावित होता है। सेवा क्षेत्र का योगदान 60 प्रतिशत से अधिक है परंतु, विनिर्माण क्षेत्र का योगदान बढ़ाने की आवश्यकता है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत में 81 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हुआ है अर्थात विदेशी निवेशक भारत में अपनी विनिर्माण इकाइयों की स्थापना करते हुए दिखाई दे रहे हैं। आज विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्वास बढ़ा है। आज भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी 694 अरब अमेरिकी डॉलर की आंकड़े को पार कर गया है। आगे आने वाले समय में अब विश्वास किया जा सकता है कि भारत में भी प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में तेज गति से वृद्धि होती हुई दिखाई देगी। (लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

संवेदनशीलता और दृढ़ता का अनोखा संगम है जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ मोनिका

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) डॉ. मोनिका अपनी मेहनत, लगन और कर्तव्यनिष्ठा के बल पर डॉ. मोनिका ने जिले के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया है। उनकी कार्यशैली और समर्पण ने न केवल शिक्षकों और विद्यार्थियों को प्रेरित किया है, बल्कि अभिभावकों और स्थानीय समुदाय के बीच भी विश्वास पैदा किया है। डॉ. मोनिका ने अपने कार्यकाल में विद्यालयों की स्थिति को सुधारने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। नियमित निरीक्षण उनकी कार्यप्रणाली का एक अभिन्न हिस्सा है। हाल ही में, उन्होंने विकासखंड जोया और गजरौला के कई विद्यालयों, जैसे संविलयन विद्यालय रजबपुर प्रथम, रजबपुर द्वितीय, और प्राथमिक विद्यालय बसेली का दौरा किया। इन निरीक्षणों के दौरान उन्होंने विद्यालयों में साफ-सफाई, मिड-डे मील की गुणवत्ता, शिक्षकों की उपस्थिति, और शैक्षिक स्तर की गहन जांच की। जहां कहीं भी कमियां पाई गईं, वहां उन्होंने तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित प्रधानाध्यापकों से स्पष्टीकरण मांगा। उनकी यह सख्ती और पारदर्शिता शिक्षा व्यवस्था में सुधार लाने में कारगर साबित हो रही है। डॉ. मोनिका का जोर केवल अनुशासन पर ही नहीं, बल्कि शिक्षण की गुणवत्ता पर भी है। उन्होंने निपुण असेस्मेंट टेस्ट जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों के शैक्षिक स्तर का मूल्यांकन किया और शिक्षकों को बेहतर शिक्षण विधियों के लिए प्रोत्साहित किया। गंगेश्वरी ब्लॉक के उच्च प्राथमिक विद्यालय जल्लोपुर और प्राथमिक विद्यालय सलारा के निरीक्षण के दौरान उन्होंने टीएलएम (शिक्षण-शिक्षा सामग्री) के उपयोग और कक्षा में बच्चों की भागीदारी पर विशेष ध्यान दिया। उनकी यह पहल सुनिश्चित करती है कि बच्चे केवल रटने के बजाय समझकर सीखें। उनके नेतृत्व में विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं, जैसे शौचालय, रसोई, और कक्षा कक्षों के निर्माण कार्य को भी गति मिली है। प्राथमिक विद्यालय बेगपुर मुंडा और कुवंरकी मूड प्रथम जैसे स्कूलों में निमार्णाधीन भवनों की गुणवत्ता और समयबद्धता पर उन्होंने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने ठेकेदारों और संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप और निर्धारित समय में पूरा हो। डॉ. मोनिका की कार्यशैली में संवेदनशीलता और दृढ़ता का अनोखा संगम देखने को मिलता है। वह शिक्षकों के साथ सख्ती बरतती हैं, लेकिन साथ ही उन्हें प्रेरित भी करती हैं। प्रशिक्षण सत्रों में अनुपस्थित शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्होंने यह संदेश दिया कि शिक्षा के प्रति लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके बावजूद, वह शिक्षकों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करती हैं और उनके साथ मिलकर समस्याओं का समाधान ढूंढती हैं।

डॉ. मोनिका के इन प्रयासों का असर अब जिले में दिखाई देने लगा है। विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति बढ़ी है, और अभिभावकों का भरोसा शिक्षा व्यवस्था पर मजबूत हुआ है। उनकी मेहनत और लगन न केवल अमरोहा जिले के लिए, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए एक प्रेरणा है। वह एक ऐसी अधिकारी हैं, जो अपने कार्यों से यह साबित कर रही हैं कि शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव संभव है, बशर्ते इरादे मजबूत हों और मेहनत सच्ची हो।

भाकियू लोकहित की मासिक बैठक का किया गया आयोजन

नोगावा सादात/अमरोहा (सब का सपना):- सोमवार को भारतीय किसान यूनियन लोक हित की मासिक बैठक नौगावां सदात तहसील में संपन्न हुई जिसमें दूर-दूर से गांव क्षेत्र के किसानों ने हिस्सा लिया। जिसमें सबसे मुख्य शिकायतें विद्युत विभाग की रही। जैसे की विभाग द्वारा समय पर उपभोक्ताओं के बिल न निकलना एवं अधिक बिल होने पर मुकदमे दर्ज किए जाने को लेकर किसानों ने अपनी शिकायत रखी। बैठक में एसडीओ नौगावा सादात किसानों के बीच पहुंचे और किसने की समस्याएं सुनी और उनका निवारण का आश्वासन दिया। किसानों की शिकायत राजस्व विभाग को लेकर भी रही जैसे कि जनपद में लेखपालों द्वारा समय पर काम ना करना किसानों को बार-बार चक्कर लगवाना उसको लेकर किसानों ने अपनी सारी समस्याएं तहसीलदार को दी और कहा कि किसानों को परेशान ना किया जाए। इसी के साथ जिला अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने कहा कि किसानों के काम को समय पर करने के लिए हर समय डीएम मैडम का भी प्रेशर अधिकारियों पर रहता है लेकिन फिर भी यदि यह हमारे किसानों की बात नहीं मानते तो आने वाले समय में उग्र आंदोलन किया जाएगा। जिसका जिम्मेदार शासन प्रशासन होगा इसी को लेकर किसान संगठन के पदाधिकारी ने किसानों से कहा कि आप एकत्र रहो और अपनी नियमानुसार शिकायत रखो आपकी सभी शिकायतों का निवारण किया जाएगा। बैठक में मौजूद अनुज यादव अनिल कुमार धर्मवीर चौधरी मेजर सोमपाल यादव अजमेर राजीव त्यागी आदि मौजूद रहे

मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग से मिला भाकियू शंकर का प्रतिनिधिमंडल, 27-28 व 29 जून को हरिद्वार में होगा चिंतन शिविर का आयोजन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- भाकियू शंकर के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग मुरादाबाद मंडल, मुरादाबाद से वार्ता करते हुए जनपद अमरोहा में जर्जर व टूटी-फूटी सड़कें बनवाने के लिए उनको एक मांगपत्र सोपा है। जिसमें रजबपुर के काफूरपुर रेलवे स्टेशन तक तीन किमी. ,चोटीपुरा मार्ग से फरीदपुर तक 600 मीटर, एन एच 9 पर नारंगपुर सरकड़ी से भवालपुर मार्ग का चौड़ीकरण,पिपली कला से अक्खा नगला तक 2 किमी. जर्जर मार्ग का नवीनीकरण, धनौरा ब्लॉक के गांव रसूलपुर भांवर में माता गुर्जर कौर गुरुद्वारा से सुखचैन सिंह के मकान तक 1300 मीटर सी सी रोड का निर्माण कराया जाए जिस से बरसात के समय ग्रामवासियों का सम्पर्क बना रहे। अमरोहा में एनएच 9 से निकलने वाली मध्य गंगा नहर फेस टू की उत्तर साइड में बिजनौर तक पक्की सड़क का निर्माण कराया जाए, जिस से कांवड़ यात्रा के साथ ही ट्रैफिक को डायवर्ट करने में बड़ी सुविधा मिलेगी। उसके बाद डिडौली थाना क्षेत्र के गांव तोहफापुर भवानीपुर में प्रधान भोलू सिंह की बैठक पर संगठन की एक कार्यकारिणी की बैठक चौधरी नरेंद्र प्रधान जी की अध्यक्षता व सतवीर सिंह के संचालन में हुई, जिसमें संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने बताया की 24 जून को हसनपुर में होने वाला धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम को स्थगित किया जाता है, क्योंकि 27 ,28 व 29 जून को हरिद्वार हर की पैड़ी वीआईपी घाट पर संगठन का चिंतन शिवर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें संगठन के राष्ट्रीय संरक्षक महामंडलेश्वर कर्म योगी संत 16 मनी दयाशंकर पुरी जी महाराज जी का आशीर्वाद भी प्राप्त होगा। सभी किसान भाई अपने-अपने रेलवे स्टेशनों हापुड, बरेली, रामपुर, मुरादाबाद, हकीमपुर, कैलसा, अमरोहा, काफूरपुर व महेशरा से होते हुए गजरौला से शाम को चलने वाली गजरौला नजीबाबाद ट्रेन से रवाना होंगे। पंचायत में चौधरी ओमवीर सिंह, समरपाल सैनी ,चौधरी धर्मवीर सिंह, राकेश रतनपुर, राजवीर गुर्जर, अनित कुमार, सिंगारा सिंह ,कश्मीर सिंह फौजी, साहब सिंह प्रधान, पप्पू पाल, मुकेश कुमार हरीराज सिंह समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे

सीडीओ ने संचारी रोग नियंत्रण अभियान को लेकर की समीक्षा बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संचारी रोग अभियान के सम्बन्ध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने ने नोडल अधिकारियों से ग्रामों एवं शहरी क्षेत्र की साफ-सफाई, फॉगिंग एंटी लार्वा दवा का छिड़काव सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने संवेदनशील ग्रामों में दस्तक अभियान के तहत कितने आशाओं द्वारा सर्वे किया गया और कितने केस मलेरिया, डेंगू और सामान्य फीवर, टीबी की गंभीरता से सर्वे कराए जाने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी मिट्टी को निर्देश दिए कि प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र पर वायरस जिंक और क्लोरीन की उपलब्धता हो उन्होंने कहा कि संभावित बाढ़ प्रवाहित क्षेत्र में पहले से पूर्ण तैयारी कर ली जाएं ताकि ऐसी स्थिति आने पर उसे निपटा जा सके। उन्होंने कहा जिन क्षेत्रों में ग्राम प्रधानों आशा या आंगनबाड़ी कार्यकर्ती द्वारा लापरवाही भारती जा रही है उन्हें चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी अपर चिकित्सा अधिकारी सीएमएस मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी अधिशासी अधिकारी नगर पालिका में नगर पंचायत आदि सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीएम योगी से मिली नगर पालिका अध्यक्ष शशि जैन, विकास कार्य को लेकर की चर्चा

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- नगर पालिका परिषद अमरोहा की अध्यक्ष शशि जैन द्वारा आज प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट कर नगर पालिका परिषद अमरोहा क्षेत्र से संबंधित विभिन्न समस्याओं से अवगत करवा कर उनके समाधान. सहित जनहित के अन्य कार्यों / योजनाओं की स्वीकृति प्रदान किये जाने का अनुरोध किया। अमरोहा शहर की नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष शशि जैन लखनऊ मे प्रदेश के यशस्वी मा.मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ मे भेंट की। जिसके अंतर्ग मा. मुख्यमंत्री के कुशल एवं सफल नेतृत्व मे प्रदेश के सवार्गीण विकास हेतु बधाई देते हुए मा. मुख्यमंत्री जी द्वारा अमरोहा नगर के लिए उनके द्वारा करवाये गए कार्यों का धन्यवाद देते हुए नगर की अन्य समस्याओ, जिसमें अमरोहा नगर के रेलवे स्टेशन से शमशान व कब्रिस्तान की ओर जाने हेतु अंडरपास की मांग। नगर पालिका परिषद अमरोहा क्षेत्र मे वर्ष 2014-15 मे त्वरित आर्थिक विकास योजना के अंतर्गत अमरोहा नगर के कांठ रोड से बान नदी की ओर जाने वाला नाला जो सी. एन्ड. डी एस द्वारा बनवाया जा रहा था तथा काफी वर्षो से उक्त कार्य रुका हुआ हैं उक्त कार्य हेतु कार्यदाई संस्था संस्था द्वारा योजना को पुनः आरम्भ किये जाने हेतु पुनरीक्षित प्राक्कलन। 1654.91लाख हैं की जनहित मे स्वीकृति प्रदान करने। तहसील अमरोहा मे वर्तमान मे संचालित उप निबंधक कार्यालय (रजिस्ट्री कार्यालय) जिसको नवीन कलेक्ट्रेट अमरोहा के पास स्थानतरित किया जा रहा हैं को जनहित मे नवीन तहसील परिसर गुलड़िया मे स्थानतरित करने। नगर पालिका परिषद अमरोहा के वर्तमान क्षेत्र व नव सम्मिलित क्षेत्र मे व्यापक विकास कार्य यथा सडक, सफाई, जलापूर्ति, मार्ग प्रकाश, नगरीय सौन्दर्य करण, पार्को, ओपन जिम, लाइब्रेरी आदि कार्यों को करवाये जाने। नगर के कूड़े के निस्तारण हेतु सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के अंतर्गत बड़े ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना सहित अमरोहा पालिका क्षेत्र को सुन्दर व विकसित बनाये जाने हेतु विभिन्न मांगे की गयी साथ ही नगर पालिका परिषद अमरोहा द्वारा मा. मुख्यमंत्री जी के आशीर्वाद से वंदन योजना चयन उपरांत नगर के प्रमुख तीर्थ स्थल श्री वासुदेव जी पर नगर पालिका परिषद अमरोहा द्वारा कराये गए सौन्दर्यकरण कार्य के उद्घाटन हेतु न्योता दिया गया, जिस पर मा. मुख्यमंत्री जी द्वारा अमरोहा आगमन की सहमति व्यक्त की गयी। मा. मुख्यमंत्री से भेंट के समय पालिका अध्यक्ष के दोनों पुत्र वरिष्ठ भाजपा नेता अखिल जैन व निखिल जैन जी भी उपस्थित रहे।

मुख्य विकास अधिकारी ने जिला स्वास्थ्य समिति की ली बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने जननी सुरक्षा योजना, बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, आभा आईडी, परिवार नियोजन, आयुष्मान कार्ड, संस्थागत प्रसव, ओपीडी एवं आईपीडी की प्रगति चिकित्सकों की उपलब्धता सहित अन्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों की एक-एक करके समीक्षा कर प्रगति को परखा। संस्थागत प्रसव की समीक्षा करते हुए एमओआईसी द्वारा संतोषजनक जवाब न मिलने पर सुधार करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दिये। उन्होंने आयुष्मान कार्ड लक्ष्य के साथ काम प्रगति होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि जिन ब्लॉक में सर्वाधिक जनसंख्या वाले ग्राम पंचायत हैं उनमें कैंप लगाकर आयुष्मान कार्ड बनाकर लक्ष्य को प्राप्त करें। उन्होंने कहा टेंडर संबंधित कोई भी प्रक्रिया है उसे पूर्ण करें और इस संबंध में सभी एमओआईसी साप्ताहिक समीक्षा बैठक अवश्य करें। उन्होंने कहा सभी आशाओं का भुगतान शत प्रतिशत हो जाए और जो आशा एक्टिव नहीं है उनको हटाकर नई आशाओं को रखा जाए। होने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि जो सीएचओ कम आते हैं उनको नोटिस जारी करें। उन्होंने फैमिली प्लानिंग की समीक्षा करते हुए कहा कि जो लक्ष्य प्राप्त हुआ है उसके सापेक्ष कार्य नहीं हुआ है इसलिए इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि कैंप लगाने से पहले उसकी पूर्ण तैयारी कर लें ताकि प्रोग्रेस हो सके।उन्होंने झोलाछाप डॉक्टर, अपंजीकृत अस्पतालों, क्लीनिकों अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर आवश्यक कार्रवाई की जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने ने आभा आईडी, ई -कवच की समीक्षा कर प्रगति सुधारने के निर्देश दिए । एनआरसी में अधिक से अधिक बच्चों को ठफ्ह में भर्ती कराया जाए। कहा कि आयुष्मान योजना के तहत जो पात्र व्यक्तियों के गोल्डन कार्ड अभी तक नहीं बन पाए हैं उनके कैंप लगाकर आयुष्मान कार्ड बनाया जाए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही ना हो। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सत्यपाल, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सहित अन्य संबंधित अधिकारी और स्वास्थ्य विभाग के moic और डॉक्टर मौजूद रहे।

अखिल भारतीय युवा उद्योग व्यापार मण्डल ने रोडवेज प्रभारी के माध्यम से ए आर एम को सौंपा ज्ञापन

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- सोमवार को अखिल भारतीय युवा उद्योग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू के नेतृत्व में रोडवेज प्रभारी राजू यादव के माध्यम से ऐ० आर० एम० मुरादाबाद को ज्ञापन दिया । ज्ञापन के माध्यम से पावर हाउस में अस्थाई रोडवेज स्टैंड बना कर बसों का संचालन करने की मांग की गई। नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने कहा कि मुरादाबाद और बदायूं डिपो की बसें बदायूं चुंगी पर रोकी जा रही हैं। जबकि अलीगढ़ की बसें नया बाईपास से होकर गुजर जाती हैं। नया बाईपास की शहर से दूरी करीब तीन किलोमीटर है। जिससे वहां तक जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इक्का दुक्का बस ही सीओ तिराहे से होकर रोडवेज बस स्टैंड पर आ रही हैं। सबसे अधिक दिक्कत रात के समय में आती है जब सुनसान जगह पर बसें यात्रियों को उतार जाती है । रात में कभी भी कोई बड़ी घटना हो सकती है। जिक्र करते हुए कहा कि कुछ दिन पूर्व एक दुर्घटना हो भी चुकी है जिसमें एक मासूम बच्ची की जान चली गई थी। व्यापार मंडल मांग करता है कि जब तक फ्लाईओवर का कार्य पूरा नहीं हो जाता है तब तक पावर हाउस से रोडवेज का संचालन किया जाए। ज्ञापन देने वाले में प्रदेश मंत्री शाह आलम मंसूरी, भाजपा नेता अमित शर्मा, मुदित, सभासद अन्ना खान, मुजीब, अनुज कश्यप, शुभम अग्रवाल, तुषार क्रशल आदि शामिल रहे।

उपजिलाधिकारी विनय मिश्रा का हुआ ट्रांसफर, अतिक्रमणकारियो में दौड़ी खुशी की लहर

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- पिछले कई महीनों से विनय मिश्रा जब नगरपालिका के ई ओ के पद पर कार्यरत थे तब उन्होंने चंदौसी में जो अतिक्रमण की नींव खोदी तो मानों सारा शहर में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। विनय मिश्रा रिश्वत से दूर ईमानदारी की मिसाल है उनके ईमानदारी के किस्से चंदौसी में बच्चे- बच्चे की जवान पर हैं। शहर में अतिक्रमण पर विनय मिश्रा द्वारा बुलडोजर का चाबुक चलाया गया। तभी अचानक महाकुम्भ में विनय मिश्रा की ड्यूटी लगा दी गई जिससे चंदौसी की काफी जनता को बुरा लगा। क्योंकि शहर का विकास आधा अधूरा रह गया और कुछ लोगों को इतनी खुशी हुई कि हमारा तो अतिक्रमण का अब कुछ नहीं होगा क्योंकि विनय मिश्रा तो अब चलें गए।दूसरा अधिकारी जब आयेंगे तब देखा जाएगा और सच में ऐसा ही हुआ। विनय मिश्रा के जाने के बाद अतिक्रमण अभियान को पलीता लग गया और अतिक्रमण कार्यों में खुशी की लहर दौड़ गई लेकिन कुछ समय बाद उनका ट्रांसफर फिर से चंदौसी हो गया और इस बार वो ईओ नहीं बल्कि उपजिलाधिकारी की कुर्सी पर बैठकर आएं। इस खबर से शहर में मानों फिर से खुशी का माहौल बन गया। जनता कहने लगी देखो अब तो विनय मिश्रा उच्चपद पर तैनात हो गए है। अब शहर का विकास तेजी के साथ होगा और ऐसा ही हुआ मिश्रा जी के आतें ही फिर से बुलडोजर चालू हो गया और ऐसा चालू हुआ कि आतें ही मिश्रा जी ने पूरी पूरी रात को बुलडोजर चलवाकर सरकारी जमीनों को कब्जा मुक्त कराया और कई सरकारी जमीनों पर कब्जा लिए हुए लोगों को नोटिस देते हुए समय सीमा दी गई। सरकारी जमीनों, मंदिर, मस्जिद से भी कब्जा मुक्त कराया गया। वहीं सोमवार को एक सरकारी फरमान से चंदौसी की जनता मे मायूसी छा गईं। सरकारी फरमान में विनय मिश्रा का चंदौसी से ट्रांसफर हो गया। अब जहां एक ओर चंदौसी की जनता विकास को लेकर मायूस है वहीं दूसरी तरफ जिन लोगों के मकान दुकान अतिक्रमण के हद में आ रहे थे या सरकारी जमीनों पर कब्जा किए हुए है उन लोगों में खुशी का माहौल देखने को मिला। अब सवाल ये है कि जो भी अधिकारी अब शहर में आयेगा क्या अतिक्रमण की गाड़ी मिश्रा जी की तरह चला पाएगा या शहर के विकास में यही विराम लग जाएगा ?

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने आगामी त्योहारों की तैयारीयो को लेकर जनपद स्तरीय पीस कमेटी की बैठक का किया आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई की अध्यक्षता में आगामी त्यौहारों मुहर्रम एवं श्रावण मास में कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर जनपद स्तरीय पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अन्तर्गत अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रदीप वर्मा द्वारा बताया गया कि आगामी जुलाई में मोहर्रम एवं 11 जुलाई से श्रवण मास प्रारंभ हो रहा है। उन्होंने बताया कि मोहर्रम के ताजिया की ऊंचाई जमीन से 12 फीट से अधिक ऊंची न हो तथा डीजे की ऊंचाई भी जमीन से 12 फीट से अधिक न होगी तथा। ताजिया या अलम के गुजरने वाले मार्ग खराब स्थिति में तो नहीं हैं तथा विद्युत के तार नीचे तो नहीं हैं उसको लेकर पीस कमेटी के सदस्यों साथ जानकारी तथा समस्याएं प्राप्त की गयीं। पीस कमेटी के सदस्यों ने साफ सफाई की व्यवस्था सही रखने तथा प्रकाश एवं पानी की व्यवस्था सुचारू रुप से रहे इसको लेकर कहा गया। मेंहदी के जुलूस के समय मेला तथा मीना बाजार में महिला पुलिस आरक्षी की तैनाती को लेकर भी पीस कमेटी ने रखा। बैठक के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक ने कहा कि प्रत्येक ताजिया का एक पुलिस नोडल बनाया जाएगा,इनसे ताजिया के मार्ग आदि के बारे में वार्ता कर सकते हैं। पुलिस अधीक्षक ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि जिस मार्ग से ताजिया निकलेगा उसके रुट आदि की व्यवस्था को पुलिस नोडल देखेंगे। कोई भी ताजिया तथा कांवड़ के डीजे की ऊंचाई जमीन से 12 फीट से अधिक ऊंचाई न हो। जुलूसों को लेकर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा तथा ड्रोन से भी निगरानी रखी जाएगी।पुलिस अधीक्षक कैम्प कार्यालय से भी निगरानी भी रखी जाएगी। मोहर्रम एवं कांवड़ में डीजे की आवाज शासन के मानक के अनुसार ही रहे यह सुनिश्चित किया जाए। कांवड़ यात्रा को लेकर भी पुलिस अधीक्षक द्वारा चर्चा की गयी। उन्होंने पश्चिमी क्षेत्र में कांवड़ यात्रा के जोन तथा श्रावण मास में आने वाले सोमवार के विषय में बताया गया। रूट डायवर्जन प्लान पर भी चर्चा की गयी संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। होल्डिंग एरिया को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए।पुलिस अधीक्षक ने उप जिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी को कहा कि वह नजदीकी जनपद के संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय बनाते हुए अपनी प्लानिंग करें। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि शिविर लगाने वाले शिविर को दाहिनी ओर न लगाये यह भी सुनिश्चित किया जाए तथा जो लोग शिविर लगाएं वह शिविर पर सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था भी रखें। शिविर में फायर से संबंधित यंत्र भी रहें अग्नि सुरक्षा से संबंधित अधिकारी इसका सत्यापन करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने मजिस्ट्रेट ड्यूटी को लेकर कहा कि मजिस्ट्रेट ड्यूटी से संबंधित अधिकारी निर्धारित स्थान पर रहेंगे। जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि कोई भी निराश्रित गोवंश सडकों पर न रहे उनको गौ आश्रय स्थलों पर संरक्षित किया जाए। विद्युत व्यवस्था को लेकर अधिक्षण अभियंता को निर्देशित करते हुए कहा कि विद्युत खम्बों पर पन्नी चढाना सुनिश्चित किया जाए। पेयजल की व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित रहे। स्वच्छता की व्यवस्था को लेकर संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि एक सफाई कर्मचारियों की क्यू आर टीम तैयार हो जोकि शीघ्र सफाई कर सकें। जिलाधिकारी ने कहा कि शिविरों में प्लास्टिक का प्रयोग न हो। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका चंदौसी को निर्देशित करते हुए कहा कि ठेला रेहड़ी वालों के लिए स्थन निर्धारित करते हुए उनको वहाँ स्थापित किया जाए। प्लास्टिक मुक्त अभियान को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा कपड़े के थेलों के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए निर्देशित किया।सीसीटीवी कैमरे को लेकर निर्देशित करते हुए कहा कि प्रमुख मंदिरों तथा चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाये जाएं। अपर जिला पंचायती राज अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्राम पंचायतों तथा गौशालाओं में भी सीसीटीवी कैमरे लगाये जाएं। जनपद के प्रवेश एवं निकास प्वाइंट पर भी सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था रहे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि चिकित्सा की पर्याप्त व्यवस्था रहे तथा एंटी वेनम भी रहें। घाटों की साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि सफाई कर्मी निर्धारित ड्रेस में रहें तथा सफाई कर्मियों को किट भी उपलब्ध कराया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रदीप वर्मा, अपर जिलाधिकारी न्यायिक सतीश कुमार कुशवाहा,अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार श्रीवास्तव, सहायक पुलिस अधीक्षक/ क्षेत्राधिकारी सम्भल आलोक भाटी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक,उप जिलाधिकारी सम्भल विकास चन्द, उप जिलाधिकारी चंदौसी विनय कुमार मिश्रा, उप जिलाधिकारी गुन्नौर वंदना मिश्रा, डिप्टी कलक्टर आशुतोष तिवारी,क्षेत्राधिकारी गुन्नौर दीपक तिवारी, क्षेत्राधिकारी चंदौसी अनुज चौधरी, अधिक्षण अभियंता विद्युत विनोद कुमार गुप्ता एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी एवं पीस कमेटी के सदस्य उपस्थित रहे।

जिला कारागार बिजनौर पहुंचे जिला जज पुलिस अधीक्षक एवं जिलाधिकारी किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):-जिला जज पुलिस अधीक्षक अमरोहा एवं जिलाधिकारी द्वारा जिला कारागार बिजनौर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान बैरक,मेस,जेल परिसर की साफ सफाई आदि का निरीक्षण कर कैदियों से वार्ता कर उनकी समस्याएं सुनी गई व जेलकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सोमबार को जिला जज विवेक कुमार, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद एवं जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा जिला कारागार बिजनौर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान उच्चाधिकारीगण द्वारा जिला कारागार की महिला/पुरुष बंदियों के अस्पताल व बैरकों को सघनता से चेक किया गया, मेस भोजन की गुणवत्ता व जेल परिसर की साफ सफाई का जायजा लेकर बीमार कैदियों को बेहतर उपचार आदि व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने हेतु सम्बन्धित निर्देशित किया गया । तदोपरांत बंदियों से उनकी समस्याएं पूछी गई व समस्या के संबध में संबंधित को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया, मिलाई करने आए लोगो को कोई समस्या ना हो तथा कैदियों की सुरक्षा में चाक चौकस रहने हेतु जेल अधिकारियों को निर्देश दिए गए

मनौना धाम जा रहे श्रद्धालुओं की कार को ट्रक ने मारी टक्कर, सिपाही समेत पांच घायल

बरेली: बरेली के आंवला क्षेत्र में मनौना धाम जा रही कार को ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में पांच लोग घायल हो गए। सोमवार सुबह हापुड़ निवासी 38 वर्षीय कमल सिंह अपने रिश्तेदारों के साथ मनौना धाम दर्शन के लिए जा रहे थे। कार में कमल सिंह के अलावा राजबाला, भारती व अवधेश समेत पिंटू सवार थे। कार चला रहे अवधेश सिपाही हैं। बदायूं रोड पर बल्लिया चौराहे के पास तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी कार में टक्कर मार दी। हादसे में पांचों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया गया। हालत गंभीर होने पर सभी को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। ट्रक चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। एक दिन पहले महिला और बच्चे की गई थी जान मनौना धाम जाने वाली रोड खराब होने और वाहनों की अधिक रफ्तार होने के कारण सड़क हादसे हो रहे हैं। रविवार को हरदोई और फरुर्खाबाद से मनौना धाम आए श्रद्धालुओं का ई-रिक्शा बिजली के खंभे से टकरा गया था। हादसे में एक महिला और उसके दो साल के भांजे की मौत हो गई थी। फूल तोड़ते समय ट्रेन की चपेट में आए युवक की मौत थाना किला क्षेत्र के कटघर निवासी 22 वर्षीय राज नाम के युवक की सोमवार सुबह हादसे में मौत हो गई। राज किला मंडी स्थित राजीव की फूलों की दुकान पर काम करता था। परिजनों ने बताया कि सुबह राजीव ने राज को महेशपुर की तरफ फूल तोड़ने के लिए भेजा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार फूल तोड़ते समय राज रेलवे ट्रैक के करीब पहुंच गया और तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना दुकान मालिक ने मृतक के परिजनों को दी। मौके पर पहुंची किला थाना पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। राज के भाई ने दुकान मालिक राजीव पर आरोप लगाए हैं, पुलिस जांच-पड़ताल कर रही है

धर्मांतरण के आरोपी साबिर पर महिला ने अपने पुत्र को गायब करने का लगाया आरोप

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (सब का सपना):- नगर के आदर्श नगर कॉलोनी में रहने वाली महिला नीरू शर्मा उर्फ मोनिका शर्मा ने धर्मांतरण के आरोपी पर अपने पुत्र को गायब करने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है और उसे तलाश करने की मांग की है। ज्ञात रहे की कुछ दिन पूर्व नगर के आदर्श नगर कॉलोनी की रहने वाली महिला के नाबालिग पुत्र बासु का साबिर पुत्र सगीर निवासी लोई जिला मुजफ्फरनगर नाम के व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन कर दिया था। जिसके बाद महिला ने थाने में तहरीर दी थी वहीं पुलिस के प्रयासों के बाद वासु को बरामद किया गया था। वह एक महीने के लिए बाल सुधार गृह में भेजा गया था। जिसके बाद बासु की मानसिक स्थिति में सुधार हुआ। वही महिला मोनिका शर्मा इस पूरे प्रकरण के बाद जिला अधिकारी के समक्ष आपबीती सुनाई थी और उन्होंने कानूनी कार्यवाही करते हुए एफआईआर दर्ज कराई थी। महिला के अनुसार साबिर को डर था कि बासु उसके खिलाफ गवाही देगा और साबिर ने बासु की बुआ और सौतेले भाई के साथ षड्यंत्र करते हुए वासु को गायब कर दिया है महिला ने आरोप लगाया कि कहीं उसके पुत्र के साथ कोई अनहोनी ना हो जाए। उसने कहा है कि वह अपने भाई के साथ नगर में रहती है और पुत्र की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है वही बासु का सौतेला भाई दीपांशु और बुआ मिथलेश भी साबिर के साथ लालच में बसी भूत है और पहले से ही वह साबिर के साथ शामिल हैं। उसने कहा कि कहीं यह यह लोग मेरे बेटे के साथ कोई अनहोनी जैसी घटना ना कर दें। उसने पुलिस को तहरीर देकर अपने पुत्र को तलाश करने की मांग की है।

क्रिकेट में चयन होने पर बुकें भेंटकर किया स्वागत

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- वरिष्ठ समाजसेवी एवं पेशे से चिकित्सक नरेश कुमार के पुत्र प्रियांशू प्रताप के लीजेंड्स लीग टी--10 क्रिकेट के चयन होने पर अखिल भारतीय अम्बेडकर युवक संघ हसनपुर के पदाधिकारियों द्वारा उनके आवास पर पहुंचकर गुलदस्ता भेंट कर एवं मुंह मीठा कराकर शुभकामनाएं दी। अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने बताया कि शहर की प्रतिभाएं लगातार विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही है। उसी क्रम में वरिष्ठ समाजसेवी एवं चिकित्सक नरेश कुमार के पुत्र ने क्रिकेट-10 में चयन कराकर हसनपुर शहर का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि से निश्चित रूप से क्रिकेट के क्षेत्र में नवयुवकों को प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर समाजसेवी नवाब सैफी, मयंक प्रताप,ऋषिपाल सिंह,काले सिंह, हरपाल सिंह,जीतू, नन्हें सिंह, करनवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

10 से कम छात्र संख्या वाले विद्यालय को नजदीकी विद्यालय में पेयरिंग की कार्रवाई शुरू

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में सभी विकास खंडों में खंड शिक्षा अधिकारियों द्वारा विद्यालयों का भौतिक निरीक्षण करते हुए उनको नजदीकी विद्यालय में पेयरिंग करने के सूची तैयार की जा रही है। और उन स्कूलों के प्रधान अध्यापकों से एवं ग्राम प्रधानों से सुझाव लिए जा रहे हैं। इस दौरान 10 से काम छात्र संख्या वाले विद्यालयों की सूची तैयार कर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर मोनिका के समक्ष प्रस्तुत की गई है। जिसमें उनकी संस्तुति के उपरांत जिला अधिकारी निधि गुप्ता के समक्ष सूची प्रस्तुत की जाएगी। इसी के साथ उनके आदेश अनुसार अग्रिम कार्रवाई पूर्ण की जाएगी।

अमरोहा मुख्य विकास अधिकारी के कड़े प्रयासो से विकास और रोजगार को लेकर ऊंचाईयों को छू रहा जिला अमरोहा

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जिले में विकास की गति को तेज करने और ग्रामीण क्षेत्रों में समृद्धि लाने के लिए मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) अश्वनी कुमार मिश्र अपनी मेहनत और लगन से एक नया उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। उनकी कार्यशैली, समर्पण और जनता के प्रति जवाबदेही ने उन्हें न केवल प्रशासनिक हलकों में बल्कि आम जनता के बीच भी लोकप्रिय बनाया है। अश्वनी कुमार मिश्रः एक समर्पित प्रशासनिक अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र एक ऐसे प्रशासनिक अधिकारी हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत, लगन और दूरदर्शिता के बल पर अमरोहा जिले में विकास कार्यों को नई दिशा दी है। उनकी कार्यशैली में पारदर्शिता, जवाबदेही और जन-केंद्रित दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। सीडीओ के रूप में, उनका मुख्य दायित्व जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विकास योजनाओं को लागू करना, सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुचारू रूप से संचालित करना है। उनके नेतृत्व में, अमरोहा जिले में कई विकास परियोजनाएँ शुरू की गई हैं, जिनमें ग्रामीण सड़कों का निर्माण, पेयजल सुविधाओं का विस्तार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, और स्वरोजगार को बढ़ावा देना शामिल है। उनकी प्राथमिकता हमेशा यह रही है कि विकास का लाभ समाज के सबसे कमजोर वर्गों तक पहुंचे।

ग्रामीण विकास में योगदान

अमरोहा जिला, जो पहले मुरादाबाद जिले का हिस्सा था, 15 अप्रैल 1997 को एक स्वतंत्र जिला बना। यह जिला अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था के लिए जाना जाता है। हालांकि, ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की कमी और आर्थिक पिछड़ापन यहाँ की प्रमुख चुनौतियाँ रही हैं। अश्वनी कुमार मिश्र ने इन चुनौतियों को स्वीकार करते हुए ग्रामीण विकास को अपनी प्राथमिकता बनाया। उनके नेतृत्व में, जिले के कई गाँवों को मॉडल गाँव के रूप में विकसित करने की योजना शुरू की गई। इस योजना के तहत, प्रत्येक ब्लॉक से पाँच गाँवों का चयन किया गया, जहाँ सड़क, पेयजल, पथ प्रकाश, और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं। इसके लिए प्रति गाँव लगभग 30 लाख रुपये की राशि आवंटित की गई है। इस पहल का उद्देश्य गाँवों को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाना है।

किसानों के हित में सक्रिय भूमिका

अमरोहा एक कृषि-प्रधान जिला है, जहाँ की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से खेती पर निर्भर है। अश्वनी कुमार मिश्र ने किसानों की समस्याओं को समझते हुए उनके हित में कई कदम उठाए हैं। हाल ही में, जिला प्रशासन के निर्देश पर, उन्होंने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किसान दिवस में भाग लिया, जहाँ किसानों की शिकायतों को सुना और उनके समाधान के लिए समयबद्ध निर्देश दिए। इस दौरान, उन्होंने संबंधित को निर्देश दिए कि किसानों की समस्याओं का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण और त्वरित रूप से किया जाए।

इसके अलावा, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करने में भी उनकी सक्रिय भूमिका रही है। यह योजना उन किसानों के परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है, जो दुर्घटना के कारण आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं।

शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार

शिक्षा और स्वास्थ्य किसी भी समाज के विकास की रीढ़ हैं। अश्वनी कुमार मिश्र ने इन दोनों क्षेत्रों में सुधार के लिए कई पहल की हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों का कायाकल्प और आंगनबाड़ी केंद्रों का नवीनीकरण उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके तहत, स्कूलों में फर्नीचर, पुस्तकालय, और नक्षत्रशाला जैसी सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में, उन्होंने जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को मजबूत करने पर ध्यान दिया है। हाल ही में, कई गाँवों में अमृत सरोवर और अमृत वाटिका जैसी परियोजनाएँ शुरू की गई हैं, जो न केवल पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे रही हैं, बल्कि ग्रामीणों के लिए स्वच्छ पेयजल और मनोरंजन के साधन भी उपलब्ध करा रही हैं। स्वरोजगार और कौशल विकास को बढ़ावा, अश्वनी कुमार मिश्र का मानना है कि आर्थिक समृद्धि का आधार स्वरोजगार और कौशल विकास है। इसके लिए, उन्होंने जिले में कई योजनाएँ शुरू की हैं, जिनमें ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना शामिल है। समूहों को बाजार से जोड़ने और स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

जनता के बीच लोकप्रियता

अश्वनी कुमार मिश्र की लोकप्रियता का एक प्रमुख कारण उनकी जनता के प्रति संवेदनशीलता और उनकी समस्याओं को सुनने की इच्छा है। वह नियमित रूप से जनता दर्शन और समीक्षा बैठकों में भाग लेते हैं, जहाँ वह आम लोगों की शिकायतों को सुनते हैं और उनके समाधान के लिए त्वरित कदम उठाते हैं। उनकी यह कार्यशैली न केवल प्रशासनिक दक्षता को दशार्ती है, बल्कि जनता के बीच विश्वास भी पैदा करती है। चुनौतियाँ और भविष्य की योजनाएँ हालांकि, अश्वनी कुमार मिश्र के सामने कई चुनौतियाँ भी हैं। अमरोहा जिले में बुनियादी सुविधाओं की कमी, बेरोजगारी, और सामाजिक असमानता जैसी समस्याएँ अभी भी मौजूद हैं। इसके बावजूद, वह इन चुनौतियों का सामना करने के लिए दृढ़संकल्पित हैं। उनकी भविष्य की योजनाओं में जिले के सभी गाँवों को मॉडल गाँव के रूप में विकसित करना है। अश्वनी कुमार मिश्र का अमरोहा जिले के मुख्य विकास अधिकारी के रूप में योगदान सराहनीय है। उनकी मेहनत, लगन और जन-केंद्रित दृष्टिकोण ने जिले में विकास की नई संभावनाएँ खोली हैं। चाहे वह ग्रामीण विकास हो, किसानों के हितों की रक्षा हो, या शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, उन्होंने हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ी है। उनकी नेतृत्व क्षमता और समर्पण न केवल अमरोहा के लिए बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के लिए एक प्रेरणा है। अमरोहा की जनता को उन पर गर्व है, और यह उम्मीद की जा रही है कि उनके नेतृत्व में जिला विकास के नए आयाम छूएगा। अश्वनी कुमार मिश्र जैसे अधिकारी साबित करते हैं कि मेहनत और लगन से न केवल व्यक्तिगत सफलता हासिल की जा सकती है, बल्कि समाज और देश को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाया जा सकता है।

उपचुनाव में जीत से गदगद केजरीवाल, सामने आए दिग्गज नेताओं के बयान; सेमी-फाइनल के बाद अब फाइनल की तैयारी

नई दिल्ली। गुजरात की विसावदर और पंजाब की लुधियाना पश्चिम विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में आम आदमी पार्टी ने प्रचंड जीत हासिल की है। इस जीत के बाद पार्टी में जबर्दस्त उत्साह है और वरिष्ठ नेता गदगद नजर आ रहे हैं। पार्टी मुख्यालयों में कार्यकर्ता जीत के जश्न में डूबे हुए हैं। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत कई नेताओं की प्रतिक्रिया सामने आई है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गुजरात की विसावदर और पंजाब की लुधियाना पश्चिम सीटों पर आम आदमी पार्टी की शानदार जीत पर आप सबको बहुत बहुत बधाई। गुजरात और पंजाब के लोगों को

बहुत बधाई और बहुत बहुत शुक्रिया। दोनों जगह पिछले चुनाव के मुकाबले लगभग दोगुने मार्जिन से जीत हुई है। पंजाब के लोग हमारी सरकार के कामों से बहुत खुशः केजरीवाल उन्होंने कहा कि ये दिखाता है कि पंजाब के लोग हमारी सरकार के कामों से बहुत खुश हैं और उन्होंने 2022 से भी ज्यादा वोट दिया है। गुजरात की जनता अब बीजेपी से परेशान हो चुकी है और उन्हें आम आदमी पार्टी में उम्मीद

आम आदमी पार्टी (आप) ने गुजरात की विसावदर और पंजाब की लुधियाना पश्चिम विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों में शानदार जीत हासिल की है।

दिखाई दे रही है। दोनों जगह कांग्रेस और बीजेपी, दोनों पार्टियां मिलकर चुनाव लड़ीं। इन दोनों का एक ही मकसद था- 'आप' को हराना। लेकिन लोगों ने दोनों जगह इन दोनों पार्टियों को नकार दिया। पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि विपक्ष के लोग लुधियाना उपचुनाव को सेमी-फाइनल बता रहे थे। अअढ ने सेमी-फाइनल जीत लिया है और अब भगवंत मान जी के नेतृत्व में फाइनल भी जीतेंगे। ये जीत आम आदमी पार्टी के काम की राजनीति की जीत है। उन्होंने कहा कि विसावदर में गोपाल इटालिया जी की जीत पर उन्हें भी बधाई देता हूं। वो शेर हैं जो अब गुजरात विधानसभा में दहाड़ेंगे और शिक्षा, स्वास्थ्य और किसानों के मुद्दे उठायेंगे। वो गोपाल को खरीद कर दिखाएः गोपाल राय दिल्ली के पूर्व मंत्री गोपाल राय ने कहा कि बीजेपी ने विसावदर के निर्वाचित विधायक से इस्तीफा दिलवा कर, डेढ़ साल तक उपचुनाव नहीं होने दिया था, जिससे वहां विकास का काम ठप रहा। अरविंद केजरीवाल जी ने विसावदर की जनता के सामने गोपाल इटालिया जी को उम्मीदवार बनाकर बीजेपी को कहा था कि वो गोपाल को खरीद कर दिखाए, जिस पर जनता ने विश्वास किया और गोपाल जी को ऐतिहासिक जीत दिलाई। उन्होंने कहा कि लुधियाना की जीत भी महत्वपूर्ण है क्योंकि जिस तरह सभी शक्तियां AAP को हराने में लगी थीं, तब लोगों द्वारा अअढ को समर्थन देने से साबित हो गया कि जनता AAP के कामों के साथ है। राज्य के लोग हमारी सरकार के कामों से बेहद खुश है

आज नोएडा आएंगे उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़, हाईवे पर इन वाहनों की नो एंट्री

नोएडा। सेक्टर-125 के एमिटी विश्वविद्यालय में सोमवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ ऑल इंडिया विश्वविद्यालय के वार्षिक सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। इस बीच नोएडा- ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर सभी तरह के मालवाहन संचालन पर सुबह सात बजे से प्रतिबंध रहेगा। यातायात पुलिस ने जनपद के वाहन चालकों से डायवर्जन प्लान मानने की अपील की है। पुलिस ने यातायात हेल्पलाइन नंबर- 9971009001 भी जारी किया है। सम्मेलन में देश के तमाम विश्वविद्यालय के 300 से अधिक वाइस चांसलर, निदेशक और अन्य लोग शामिल होंगे। इसकी थीम "भविष्य की उच्च शिक्षा की कल्पनाः भारत की महत्वपूर्ण भूमिका" रखी है। सम्मेलन के पहले दिन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के पहुंचने का कार्यक्रम तय है। इस सूचना पर पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया है। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने बैठक कर जनपद के सभी डीसीपी, एडीसीपी, एसीपी और थाना प्रभारियों को सुरक्षा से संबंधित निर्देश दिए हैं। हालांकि, अधिकारी अपने स्तर से उपराष्ट्रपति के कार्यक्रम की पुष्टि नहीं कर रहे हैं।

कनाडा में छात्रा की मौत, शव को भारत लाने में लग रहे हैं 15 लाख रुपये; परिवार ने पीएम मोदी से लगाई मदद की गुहार

पूर्वी दिल्ली। कनाडा में पढ़ाई कर रही विजय पार्क की रहने वाली तान्या त्यागी (26) की मौत हो गई। परिवार के अनुसार कार्डियक अरेस्ट के चलते छात्रा की मौत हुई है। कनाडा से छात्रा का पार्थिव शव लाने में 15 लाख रुपये का खर्च आ रहा है। परिवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व विदेश मंत्री से गुहार लगाई है कि सरकार तान्या का शव लाने में मदद करे। परिवार के पास इतनी रकम नहीं है कि वह इतनी मोटी रकम खर्च करके शव को दिल्ली ला सकें। परिवार ने कहा छात्रा की मौत हुए पांच दिन गुजर चुके हैं। शव को लाने में कितना समय लगेगा कुछ पता नहीं। उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी रविवार को छात्रा के घर पहुंचे और परिवार को सांत्वना दी। साथ ही मदद का आश्वासन दिया। मृतका के चचेरे भाई विपुल त्यागी ने बताया कि वर्ष 2023 में उनकी बहन तान्या कनाडा में अल्बर्ट विश्वविद्यालय में खाद्य प्रौद्योगिकी की पढ़ाई करने के लिए गई थीं। 18 जून को तान्या के दोस्तों ने परिवार को फोन करके सूचना दी कि तान्या की मौत हो गई है। जब परिवार ने कनाडा में प्रशासन से बात की तो पता चला शुरूआती जांच रिपोर्ट में तान्या की मौत कॉर्डियक अरेस्ट के चलते हुई है। अंतिम रिपोर्ट तीन माह में आएगी। नौ जुलाई को उसका जन्मदिन था। परिवार ने सांसद से कहा कि पार्थिव शव लाने में 15 लाख रुपये का खर्च आ रहा है। उसमें भी कम से कम 15 दिन से अधिक का समय लग रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से गुहार लगाई कि जल्द से जल्द छात्रा का शव दिल्ली जाने में मदद करें। परिवार ने कहा कनाडा में उनका कोई नहीं है। वह छात्रा का शव दिल्ली लाकर अंतिम संस्कार करना चाहते हैं।

ओडिशा से ट्रक में छिपाकर लाए थे लाखों का सामान, दिल्ली पुलिस ने दो आरोपितों को पकड़ा

नई दिल्लीः दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की इंटर स्टेट सेल ने एक अंतरराज्यीय ड्रग्स तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। 288 किलोग्राम गांजे के साथ दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपित गांजे की तस्करी के साथ उसे बेचने का काम भी करते थे। इसके साथ ही गिरोह के अन्य सदस्यों की धरपकड़ के लिए पुलिस कार्रवाई कर रही है। यह संगठित ड्रग्स तस्करी गिरोह ओडिशा से गांजा लेकर आता था और इसे उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और दिल्ली-एनसीआर के जिलों में सप्लाई करता था। इनसे कुल 288 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है, जिसकी कीमत

करीब 50 लाख रुपये आकी जा रही है। क्राइम ब्रांच की इंटर स्टेट सेल के इंस्पेक्टर मनमीत मलिक की देखरेख में यह ऑपरेशन किया गया। 22 जून को एसआई सुशील को इसकी जानकारी मिली थी। पता चला कि ट्रक से गांजा लाया जा रहा है। जिसके बाद एक टीम गठित की गई और सराय काले खां के पास शमशाद घाट पर पुलिस ने गिरोह की धरपकड़ के लिए निगरानी चालू की। ट्रक के अंदर बनाई थी गुप्त जगह, जहां पर छिपाया था गांजा जिसके बाद सूचना के अनुसार तय जगह से हरियाणा के सोनीपत निवासी मुकेश दहिया और राजेश दहिया को पकड़ा गया। मुकेश ट्रक का मालिक है जबकि राजेश ड्राइवर है। ट्रक की तलाशी के दौरान ट्रक की बॉडी में बनाई गई एक गुप्त जगह मिली। जिसमें से 139 प्लास्टिक बैग बरामद हुए, इन बैग्स में 288 किलोग्राम गांजा था। क्राइम ब्रांच के उपायुक्त आदित्य गौतम ने बताया कि ट्रक मालिक मुकेश दहिया 10 पास है और पहले ड्राइवर था। वह मार्च 2025 को यह ट्रक लेकर आया था। उसके साथ पकड़ा गया राजेश दहिया, सातवीं पास है और मुकेश के पास पिछले नौ वर्ष से ड्राइवर का काम कर रहा था।

ढाबे पर हत्या करने वाला इनामी बदमाश गिरफ्तार, खौफनाक तरीके से दिया था वारदात को अंजाम

नई दिल्ली। गैंगवार में सोनीपत के मुरथल में वीर ढाबा पर दीपक उर्फ भांजा नाम के बदमाश पर ताबड़तोड़ गोलियां चला बेरहमी से हत्या कर देने के मामले में शामिल राकेश कादियान उर्फ पम्पू को स्पेशल सेल ने गिरफ्तार कर लिया है। फरवरी में वारदात के बाद से वह फरार था। दिल्ली में ठिकाना बना वह अपने गिरोह की गतिविधियों को फिर से शुरू करने की कोशिश कर रहा था लेकिन इससे पहले उसे दबोच लिया गया। इस पर हरियाणा पुलिस की तरफ से 20 हजार रुपये का इनाम था। इसके कब्जे से एक सेमी-आटोमैटिक पिस्टल, चार कारतूस व ब्रेजा कार जब्त की गई है। डीसीपी अमित कौशिक के मुताबिक, राकेश कादियान, सिवाह, पानीपत, हरियाणा का रहने वाला है। इसका लंबा आपराधिक इतिहास है। इस पर दिल्ली और हरियाणा में हत्या के प्रयास, हत्या, जबरन वसूली और

हमले आदि के 16 से अधिक मामले दर्ज हैं। एसीपी राहुल कुमार सिंह व इंस्पेक्टर मंदीप और जयबीर की टीम को सूचना मिली कि सोनीपत में हत्या के मामले में वांछित बदमाश राकेश कादियान अक्सर दिल्ली आता-जाता है। वह दिल्ली में फिर से अपने गिरोह को पुनर्जीवित करने की योजना बना रहा है। सूचना को विकसित कर सेल ने रविवार को राकेश को अवैध हथियार के साथ रोहिणी में ब्रेजा कार को रोक कर दबोच लिया। राकेश ने पानीपत के एसडी कालेज से सूचना प्रबंधन में स्नातक की डिग्री हासिल की थी। 2010 में अपने गांव के रहने वाले श्रवण नामक व्यक्ति द्वारा उसके चाचा की हत्या के बाद उसने अपराध का रास्ता चून लिया। उक्त मामले में वह चश्मदीद गवाह है। बदला लेने के लिए राकेश ने अपने साथियों के साथ मिलकर श्रवण पर हमला किया उसपर कई गोलियां चलाईं लेकिन हमले में वह बच निकला। 2014 में राकेश के साले विनोद की दीपक और उसके साथियों ने हत्या कर दी। तब साले की हत्या का बदला लेने के लिए राकेश ने दीपक और उसके समर्थकों को खत्म करने की ठानी। इस कोशिश में उसने दीपक के समर्थक माने जाने वाले कई लोगों की हत्या कर दी। विरोध में 2017 में राकेश पर भी पानीपत कोर्ट में हमला किया जिसमें उसके सिर, रीढ़ की हड्डी और दोनों हाथों में चार गोलियां लगी थीं, लेकिन वह बच गया। इसके बाद उसने दिल्ली में अपने गिरोह की मौजूदगी को फिर से स्थापित करने की कोशिश की, हालांकि 2023 में स्पेशल सेल द्वारा गिरफ्तार किए जाने पर उसकी योजना विफल हो गई। 2024 में उसे पैरोल पर रिहा किया गया तब फरवरी में उसने साले की हत्या का बदला लेते हुए मुरथल में दीपक की हत्या कर दी। तब से वह फरार था।

दिल्ली में होगी आरएसएस के प्रांत प्रचारकों की बैठक, सरसंघचालक मोहन भागवत समेत संघ के कई दिग्गज जुटेंगे

नई दिल्लीः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रतिवर्ष होने वाली अखिल भारतीय स्तर की प्रांत प्रचारक बैठक इस वर्ष आगामी विक्रम संवत 2082, आषाढ़ शुक्ल नवमी, दशमी एवं एकादशी अर्थात दिनांक चार, पांच एवं छह जुलाई को देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित हो रही है। यह बैठक दिल्ली के केशवकुंज संघ कार्यालय में होगी। बैठक की जानकारी देते हुए संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बताया कि बैठक में देशभर के सभी प्रांत प्रचारक, सह प्रांत प्रचारक एवं क्षेत्र प्रचारक तथा सह क्षेत्र प्रचारक बैठक में उपस्थित रहेंगे।

बैठक में पहुंचेंगे सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सभी सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल, सी आर मुकुंद, अरुण कुमार, रामदत्त, आलोक कुमार, अतुल लिमये सहित सभी अखिल भारतीय कार्य विभाग प्रमुख, सह प्रमुख एवं कार्यकारिणी के सदस्य भाग लेने वाले हैं। आंबेकर ने बताया कि संघ की संगठन रचना में कुल 11 क्षेत्र एवं 46 प्रांत बनाए गए हैं। इस बैठक में संघ प्रेरित विविध संगठनों के अखिल भारतीय संगठन मंत्री भी शामिल होंगे। गत मार्च में हुई अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा बैठक के पश्चात संपूर्ण देश में अप्रैल, मई एवं जून मास में संघ के विभिन्न स्तरों के प्रशिक्षण वर्ग पूर्ण होने के पश्चात आगामी योजना के क्रियान्वयन की रूपरेखा की दृष्टि से यह बैठक महत्वपूर्ण मानी जाती है। शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों पर की जाएगी चर्चा बैठक में हाल ही में संपन्न हुए संघ के प्रशिक्षण वर्गों के वृत्तांत एवं समीक्षा, आगामी शताब्दी वर्ष के निर्धारित विविध कार्यक्रमों की योजना का क्रियान्वयन, सरसंघचालक मोहन भागवत के वर्ष 2025-26 की प्रवास योजना जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी।संघ शताब्दी वर्ष (2025-26) के कार्यक्रम आगामी विजयादशमी अर्थात दो अक्टूबर 2025 से प्रारंभ होकर अगले वर्ष विजयादशमी 2026 तक चलेंगे। बैठक के लिए सरसंघचालक का 28 जून को दिल्ली में आगमन होगा।

जन सुनवाई से समस्याओं के हल पर रेखा गुप्ता सरकार का जोर, सबसे ज्यादा इन 10 मुद्दों पर शिकायत कर रहे दिल्ली वासी

नई दिल्लीः राजधानी के लोगों तक सीधी पहुंच बनाकर उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए दिल्ली सरकार हाईटेक सिस्टम अपनाने के साथ सीधे जनता से रूबरू हो रही है। सरकार का दावा है कि उनकी शिकायतों के समधान के लिए सप्ताह के अंत में डीएम की अगुवाई में जन सुनवाई केंद्रों में लोगों की समस्याओं को सुलझाया जा रहा है, साथ ही प्रतिदिन चौबीस घंटे लोक शिकायत निगरानी प्रणाली (पीजीएमएस) भी काम कर रही है। सरकार का कहना है कि जनता की समस्याओं के शीघ्र निपटारे के लिए सरकारी कार्यालयों के बाहर उड्ढेस्त्र्'ल्ल३ इड्ढ७ी२ भी लगाए जा रहे हैं, ताकि लोग वहां भी अपनी शिकायत डाल सकें।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि हमारी सरकार जनता की समस्याओं का समाधान समयबद्ध, पारदर्शी और संवेदनशील तरीके से करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विचारों को अमल में ला रही है। मुख्यमंत्री के आदेश पर राजस्व जिलों में हर सप्ताहांत जनसुनवाई शिविर लगाए जा रहे हैं। इन मुद्दों पर दिल्ली वासियों की शिकायतें सबसे ज्यादा अतिक्रमण डार्क स्पॉट सफाई न होना पेजयल

समस्या सीवेज समस्या बेसहारा पशुओं खस्ताहाल सड़क अवैध निर्माण स्ट्रीट लाइटों पेड़ों की छंटाई इन इलाकों में की गई जनसुनवाईसंबंधित विभाग के अधिकारी इन समस्याओं का तुरंत समाधान करने का प्रयास करते हैं। कुछ समस्याओं को संबंधित विभागों

दिल्ली सरकार जनता की समस्याओं के समाधान के लिए हाईटेक सिस्टम और सीधी जन सुनवाई का सहारा ले रही है।

में भेज दिया जाता है, ताकि उनका समय पर निवारण हो सके। बीते सप्ताह विभिन्न राजस्व जिलों के मॉडल टाउन, कंझावला, सीलमपुर, कोतवाली, सिविल लाइन, करोल बाग, वसंत विहार, पंजाबी बाग, कापसहेड़ा, सरिता विहार, द्वारका आदि सब डिविजनलों में जन सुनवाई आयोजित की गई। यहां पर शिकायतों का स्टेटस देख सकते हैं लोग जन सुनवाई केंद्रों में 600 से अधिक लोग शामिल हुए। पिछले माह इसी अवधि में गत 17 मई को 1260 लोगों ने और 24 मई को आयोजित जन सुनवाई शिविरों में 1350 से अधिक लोगों ने भाग लिया था। साथ ही लोक शिकायत निवारण प्रणाली (पीजीएमएस) के जरिये लोगों के लिए 24x7 उपलब्ध ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से सुनवाई की जा रही है। यहां पर शिकायतकर्ता अपनी शिकायतों का स्टेटस ऑनलाइन देख सकेंगे और फीडबैक भी दे सकेंगे।

गाजियाबाद नगर निगम की भरेगी झोली, वेव सिटी के प्रॉपर्टी टैक्स से राजस्व में होगा 10 करोड़ का इजाफा

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम ने वेव सिटी के निवासियों पर संपत्ति कर लगाना शुरू कर दिया है। प्राथमिक सर्वे संपत्ति कर वसूली के लिए साढ़े सात हजार संपत्तियां चिन्हित की गई हैं। नगर निगम का सर्वे अभी जारी है। संपत्ति कर के दायरे में करीब 15 हजार संपत्तियां आनी प्रस्तावित हैं जिससे वेव सिटी से निगम के राजस्व में 10 करोड़ का इजाफा होगा। शासन के निर्देश के बाद वेव सिटी के निवासियों से संपत्ति कर की वसूली के लिए पहली बार बिल जारी किए जा रहे हैं। दरअसल, अभी तक वेव सिटी के निवासियों से गृहकर नहीं वसूला जाता था। निगम ने वेव सिटी से गृहकर वसूली का प्रस्ताव तैयार किया। शासन में इस मुद्दे पर गहन मंथन हुआ। वेव सिटी प्रबंधन का कहना था कि यह हाइटेक टाउनशिप है। लिहाजा टाउनशिप पूरी तरह विकसित न होने तक गृहकर नहीं लिया जाना चाहिए। मगर शासन ने वेव सिटी के निवासियों से गृहकर वसूली का निर्णय लिया। इसके बाद निगम के कविनगर जोन ने संपत्ति कर की वसूली के लिए सर्वे कराया। सर्वे में करीब साढ़े सात हजार ऐसी संपत्ति पाई गईं, जिनमें लोग रह रहे हैं। नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डाक्टर संजीव सिन्हा ने बताया कि कविनगर जोनल कार्यालय की टीम का सर्वे जारी है। सर्वे पूरा होने के बाद सभी संपत्तियों पर संपत्ति कर लगाया जाएगा। अभी छह हजार संपत्तियों के एवज में बिल जारी कर दिए गए हैं।

'तुम्हारी पत्नी से बता दूंगी...', बार-बार करती रही ब्लैकमेल; हदें पार हुई तो शख्स ने पार्क में खेला खूनी खेल

साहिबाबाद (गाजियाबाद)। गाजियाबाद जनपद में साहिबाबाद थाना क्षेत्र के श्याम पार्क में एक महिला की ब्लैकमेलिंग के विरोध में गला दबाकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि दोनों की दोस्ती 2 साल पहले इंस्टाग्राम पर हुई थी, इसके बाद आरोपित महिला के घर आने जाने लगा और दोनों के संबंध बन गए। एक साल पहले आरोपित की शादी हुई और उसने महिला से मिलना बंद कर दिया तो महिला उसकी पत्नी को अपने संबंधों के बारे में बताने की बात कहकर ब्लैकमेल करने लगी और लगातार पैसों की मांग करने लगी। इससे परेशान होकर आरोपित ने उसकी गला दबाकर हत्या कर दी।

शिक्षामित्रों को मिलेगी बड़ी राहत, जल्द हो सकती है मूल विद्यालयों में वापसी; बेसिक शिक्षा अधिकारियों को मिले ये निर्देश

गाजियाबाद। परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षामित्रों की जल्द ही मूल विद्यालयों में वापसी की उम्मीद है। इस संबंध में 12 जून को शासन की ओर से आदेश जारी किए गए थे। इसी क्रम में बेसिक शिक्षा महानिदेशक ने बेसिक शिक्षा अधिकारियों को मानव संपदा पोर्टल पर शिक्षामित्रों का डाटा अपडेट करने के निर्देश दिए हैं। पोर्टल पर शिक्षामित्र का नाम, पहली तैनाती वाले विद्यालय, कार्यरत विद्यालय, जन्मतिथि आदि की जानकारी देनी होगी। जिले के परिषदीय विद्यालयों में कुल 466 शिक्षामित्र कार्यरत हैं। इनमें बड़ी संख्या में ऐसे शिक्षामित्र हैं जो सहायक अध्यापक के रूप में तैनात कर अन्य क्षेत्रों के परिषदीय विद्यालयों में तैनात कर दिए गए थे, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद इन शिक्षामित्रों के सहायक अध्यापक के पद वापस ले लिए गए। ऐसे में बड़ी संख्या में ऐसे शिक्षामित्र हैं जो वर्तमान में उन्हीं विद्यालयों में कार्यरत हैं जहां वह पदोन्नति के साथ तैनात किए गए थे। उन शिक्षामित्रों की मूल विद्यालयों में वापसी के लिए शिक्षामित्र संगठन की ओर से मांग की जा रही थी। सीएम योगी ने दिया था ये आदेश शिक्षामित्र संगठन के जिलाध्यक्ष रिजवान राणा ने बताया कि इस संबंध में संगठन ने जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ प्रदेश स्तर पर मुख्यमंत्री को भी ज्ञापन दिया था। कई शिक्षामित्रों को लंबी दूरी तय कर अन्य क्षेत्रों के विद्यालयों में जाना पड़ता था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 12 जून को शिक्षामित्रों की मूल विद्यालयों में वापसी के लिए सुखद आदेश जारी किया था। अब महानिदेशक ने बीएसए को पोर्टल पर डाटा अपडेट करने के दिशा निर्देश दिए हैं। अब जल्दी ही मूल विद्यालयों में वापसी की उम्मीद है।

मेडिकल कॉलेज में दाखिला दिलाने के नाम पर 85 लाख की ठगी, शातिरों के चंगुल में ऐसे फंसा शख्स

नोएडा। सेक्टर-63 थाना क्षेत्र में रोहिणी के चिकित्सक को बेटी का मेडिकल कॉलेज में दाखिला कराने की एवज में 85 लाख रुपये की ठगी व धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। उन्होंने आरोपितों पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस आयुक्त से शिकायत के बाद मामला दर्ज कर तथ्यों की जांच शुरू की गई है। दिल्ली रोहिणी के सेक्टर-15 में ए-ब्लाक निवासी डॉ. गिरीश गुप्ता का नोएडा सेक्टर-63 में ऑफिस है। उन्होंने शिकायत दी कि 2022 में मेरठ निवासी पंकज गोयल के जरिए उनकी मुलाकात राहुल मित्तल नाम के व्यक्ति से हुई थी। पंकज ने भरोसा दिलाया कि राहुल उनकी बेटी का दाखिला मेडिकल कॉलेज में करा देगा। उसके मेडिकल कॉलेज के प्रबंधक और राजनेताओं से संपर्क है। वह शातिर के झांसे में फंस गए और राहुल को 85 लाख रुपये बेटी के दाखिले के नाम पर दे दिए। यह रकम पंकज के सामने दी गई थी। उन्होंने पंकज को भी गवाह बनाया है। आरोप है कि पैसे लेकर शातिर पंकज और राहुल उन्हें बार-बार दाखिला कराने के नाम पर टरकाते रहे। नया सत्र शुरू होने पर झांसे देकर उलझाए रखा।

जब इंदौर से भुवनेश्वर जा रही फ्लाइट को अचानक एप्रन की ओर मोड़ा, रुक गई यात्रियों की सांसें

इंदौर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के इंदौर से भुवनेश्वर की उड़ान भरने को तैयार इंडिगो की फ्लाइट ने सोमवार सुबह तब सभी की सांसें थाम दीं, जब टेक ऑफ से ठीक पहले तकनीकी खराबी का पता चला। 140 यात्रियों से भरे विमान को रनवे से वापस लौटना पड़ा, जिसके बाद हवाई अड्डे पर हलचल मच गई। देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट पर सुबह 9 बजे उड़ान भरने वाली फ्लाइट रनवे की ओर बढ़ रही थी, तभी पायलट को तकनीकी गड़बड़ी का अहसास हुआ। इसके बाद पायलट की त्वरित सतर्कता के कारण विमान को तुरंत एप्रन की ओर मोड़ दिया गया। एप्रन वह क्षेत्र है जहां विमानों का रख-रखाव, ईंधन भरण और यात्री उतार-चढ़ाव होता है। विमान के एप्रन पर पहुंचते ही इंडिगो के इंजीनियरों ने मोर्चा संभाला। बताया गया हैं कि खराबी मामूली थी, जिसे जल्द ही ठीक किया गया। खास बात यह रही कि इस दौरान यात्रियों को विमान से उतारने की जरूरत नहीं पड़ी। हालांकि, तकनीकी खराबी का सटीक विवरण नहीं दिया गया। तय शेड्यूल के अनुसार फ्लाइट को सुबह 9 बजे भुवनेश्वर के लिए रवाना होना था, लेकिन मरम्मत कार्य के कारण यह सुबह 10:16 बजे उड़ान भर सकी। एयरपोर्ट के एक अधिकारी ने बताया कि विमान में सवार 140 यात्रियों ने राहत की सांस ली, जब फ्लाइट ने आखिरकार उड़ान भरी।

मेरठ के मेडिकल कॉलेज के बाथरूम में किशोरी के साथ रेप

- सीसीटीवी की मदद से पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

मेरठ (एजेंसी)। मेरठ मेडिकल कॉलेज के हड्डी विभाग वार्ड में भर्ती 13 साल की किशोरी के साथ दूसरे मरीज के साथ रह रहे तीमारदार ने बाथरूम में बंधक बनाकर कर दुष्कर्म कर डाला। वहीं वारदात के बाद आरोपी मेडिकल से फरार हो गया। बच्ची की मां ने मेडिकल थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया। सीसीटीवी की मदद से पुलिस ने देर रात आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, पुलिस ने किशोरी का मेडिकल करवाया जिसमें रेप की पुष्टि हुई है। मेरठ के इंचौली क्षेत्र के रहने वाली 13 वर्षीय किशोरी के पैर में परेशानी के कारण 20 जून को मेरठ मेडिकल कॉलेज के हड्डी वार्ड में भर्ती कराया गया था। वही इसी वार्ड में काशीपुर (मुरादाबाद) का मोहित भी भर्ती था। मोहित का सड़क हादसे लेकिन एक पैर कट गया था और ऑपरेशन मेडिकल में हुआ था। मोहित की देखरेख को उसके साथ उसका भाई रोहित कर रहा था। किशोरी रात में बाथरूम गई तो पीछे से रोहित भी पहुंच गया और उसने किशोरी को बाथरूम में बंधक बनाकर दुष्कर्म कर रात्रि में ही फरार हो गया। किशोरी के गुमसुम रहने पर मां द्वारा काफी पूछे जाने पर किशोरी ने रोते हुए घटना की जानकारी दी। घटना पता चलते ही किशोरी की मां ने पहले डॉक्टरों और इसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने पहले किशोरी के बयान दर्ज किए और बाद में उसका मैडिकल करवाया, जिसमें रेप की पुष्टि की गई। वही मेडिकल में सुरक्षा की लापरवाही पर भी जांच की जा रही है।

भारी बारिश के कारण माता वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन, कोई हताहत नहीं

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर के नए मार्ग पर सोमवार को भूस्खलन हो गया जिसके कारण बैटरी कार सेवा को स्थगित करना पड़ा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कोई हताहत नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि तीर्थयात्रा अब पुराने मार्ग से संचालित की जा रही है और बिना किसी व्यवधान के जारी है। अधिकारियों ने बताया कि हिमकोटी मार्ग पर 'सत्या व्यू प्वाइंट' के पास जिस समय भूस्खलन हुआ तब वहां श्रद्धालुओं की आवाजाही नहीं थी। उन्होंने बताया कि श्राइन बोर्ड ने तुरंत अपने कर्मियों और मशीनों को 30 फुट से अधिक क्षेत्र में फैले मलबे को साफ करने के काम में लगा दिया।

नौ बच्चों की मां ने प्रेमी संग मिलकर पति को उतारा मौत के घाट

कासगंज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिले के कस्बा भरगैन में नौ बच्चों की मां ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। शव को ट्यूबवेल के हौज में फेंक दिया। वारदात के बाद बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ चली गई। सूचना पर एसपी, एएसपी, सीओ समेत अन्य अधिकारी व फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं, मृतक के भाई अरविंद की तहरीर पर भाभी रीना और उसके प्रेमी हनीफ के खिलाफ केस दर्ज कर दोनों की तलाश शुरू कर दी।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद असम में अब तक 97 'राष्ट्र विरोधी' गिरफ्तार : हिमंत

डिसपुर (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद असम के विभिन्न हिस्सों से कथित तौर पर 'हिंदू विरोधी' होने के आरोप में दो और लोगों को गिरफ्तार करने के बाद अब तक कुल 97 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। सीएम शर्मा ने 'एक्स' पर लिखा कि तिनसुकिया और नगांव जिलों से एक-एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। ''हिंदू विरोधी तत्वों पर कार्रवाई जारी... 97 राष्ट्र विरोधी और हिंदू विरोधी अपराधी अब सलाखों के पीछे। सीएम सरमा ने कहा कि तिनसुकिया से गिरफ्तार व्यक्ति ने हिंदू धर्म पर आपत्तिजनक सामग्री सोशल मीडिया पर साझा की थी, जबकि नगांव के आरोपी ने भगवान राम पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। बात दें कि सीएम शर्मा ने आतंकी हमले के बाद 'पाकिस्तान जिंदाबाद' का नारा लगाने वालों की 'टांगें तोड़ने' की धमकी दी थी। पंचायत चुनावों के लिए एक रैली को संबोधित कर उन्होंने लोगों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय सेना को ताकत देने और प्रार्थना करने की अपील की थी, ताकि दुनिया में कहीं भी छिपे पाकिस्तानी आतंकवादियों को पकड़कर 'उनकी टांगें तोड़ दी जाएं'।

मौसम विभाग को भी धोखा दे रहे बदरा, कभी येलो तो कभी रेड अलर्ट के अनुमान हो रहे फेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम पर नजर रखने वाले जानकारों को भी बदरा धोखा दे रहे हैं। हालात ये हैं कि कई बार अलर्ट जारी होता है पर बारिश नहीं होती। ये अनुमान कई बार फेल हुए हैं। मौसम विभाग के लिए मई और जून में मौसम का आकलन करना काफी जटिल हो रहा है। मौसम विभाग की पूर्वानुमान सटीकता भी इन दो महीनों में सबसे कम रहती है। 2025 में भी मई की पूर्वानुमान सटीकता महज 81 प्रतिशत रही। यह छह सालों में सबसे कम है। जून में भी इस साल पूर्वानुमान कई बार अच्छा नहीं रहा। तीन दिन पहले रेड अलर्ट जारी किया था जिसे बाद में वापस लेना पड़ा। मानसून भी 22 जून तक पहुंचने का पूर्वानुमान किया गया था, लेकिन लोग बीते चार दिनों से बारिश का इंतजार कर रहे हैं।

मई में भी कई मौकों पर आंधी का पूर्वानुमान करने में मौसम विभाग विफल रहा। वहीं जून में भी कई बार बारिश का पूर्वानुमान किया गया, लेकिन बारिश चकमा दे गई। या फिर बिना पूर्वानुमान के बारिश आ गई। बारिश शुरू होने के बाद रेड अलर्ट जारी किया गया। आईएमडी के अनुसार, पूरे साल की बात करें तो मई तक इस साल का एक्यूरेसी रेट बीते साल की तुलना में थोड़ा सा सुधरा है। जनवरी से मई 2025 तक यह 92 प्रतिशत रहा है। 2024 में मई तक की पूर्वानुमान सटीकता 91 प्रतिशत थी। इसमें भी प्री मॉनसून सीजन की सटीकता मई तक महज 88 प्रतिशत रही है। प्री मॉनसून सीजन मार्च से मई तक रहता है। यह छह सालों में सबसे कम है।

आईएमडी के एक अधिकारी ने बताया कि दूर दराज में बन रहे सिस्टम के अलावा छोटे स्तर पर होने वाली गतिविधियां भी जरूरी बदलाव करने में सक्षम होती हैं। कोई भी मॉडल और तकनीक 100 प्रतिशत सही पूर्वानुमान नहीं कर सकती। 24 घंटे के पूर्वानुमान में आईएमडी की एक्यूरेसी 80 प्रतिशत से ज्यादा है। इसके अलावा 5 दिनों के पूर्वानुमान में भी यह 60 प्रतिशत से अधिक की है। आईएमडी अधिकारी के अनुसार, मॉनसून और प्री मानसून सीजन में पूर्वानुमान काफी जटिल होता है। इसके कई फैक्टर होते हैं। मई, जून में तापमान बहुत अधिक होता है और उस समय हवाओं के साथ नमी भी आने लगती हैं। इसकी वजह से पहाड़ और महासागर में बनने वाले सिस्टम दिल्ली में मौसमी बदलाव करते हैं। लेकिन इसके साथ-साथ लोकल स्तर पर भी कई कारण कई बार बादलों को बनने में मदद करते हैं। अधिकारी के अनुसार, प्री मॉनसून में खासतौर पर पूर्वानुमान आंधी और इन्हीं लोकल वजहों की वजह से काफी ट्रिकी हो जाता है।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रपति मुर्मू के भाषणों के संग्रह का विमोचन किया

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा अपने कार्यकाल के दूसरे वर्ष के दौरान दिए गए 51 भाषणों के संग्रह का सोमवार को विमोचन किया। सिंह ने इस मौके पर कहा कि यह ''विकसित भारत के दृष्टिकोण का कर्म ग्रंथ'' बनेगा। राष्ट्रपति भवन परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में सिंह ने अंग्रेजी में 'विंग्स टू आवर होप्स-वॉल्यूम-2' और हिंदी में 'आशाओं की उड़ान-खंड-2' नाम से प्रकाशित पुस्तक और इसके ई-संस्करण का विमोचन किया। राष्ट्रपति के भाषणों को राष्ट्रपति भवन ने संकलित और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के प्रकाशन विभाग ने प्रकाशित किया है। पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय राज्य मंत्री एल मुरुगन भी मौजूद थे। रक्षामंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''यह पुस्तक 2047 तक विकसित भारत बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने का साधन बनेगी।'' सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा रविवार को जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया था कि 'विंग्स टू आवर होप्स-वॉल्यूम-2' राष्ट्रपति के 51 भाषणों का संग्रह है, जो महामहिम के कार्यकाल के दूसरे वर्ष (अगस्त 2023- जुलाई 2024) के दौरान उनके दृष्टिकोण, दर्शन और प्राथमिकताओं की झलक प्रदान करता है।

यूपी में बिजली निजीकरण के खिलाफ नौ जुलाई को देशव्यापी हड़ताल

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में बिजली के निजीकरण के खिलाफ नौ जुलाई को देशव्यापी हड़ताल की जाएगी जिसमें किसानों और उपभोक्ता मंचों की सक्रिय भागीदारी होगी। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन (एआइपीईएफ) के अध्यक्ष शैलेंद्र दुबे ने सोमवार को यहां जारी एक बयान में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लखनऊ में रविवार को हुई बिजली महापंचायत में यह निर्णय लिया गया कि उत्तरप्रदेश में बिजली कर्मचारी दो जुलाई को विरोध प्रदर्शन करेंगे और यूपीपीसीएल द्वारा निजीकरण के लिए टेंडर नोटिस जारी किए जाने के दिन से काम का बहिष्कार शुरू करेंगे। उसी दिन सभी 27 लाख बिजली कर्मचारी सांकेतिक हड़ताल करेंगे। कर्मचारियों के साथ किसान संगठन और उपभोक्ता भी विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि महापंचायत में पंजाब समेत देश की प्रमुख यूनियनों और राज्य संघों के शीर्ष नेतृत्व और किसान संगठनों की भागीदारी ने दिखा दिया है कि बिजली क्षेत्र के निजीकरण के दुष्प्रभावों को लेकर सभी चिंतित हैं। एआईपीईएफ के मीडिया सलाहकार वी के गुप्ता ने बताया कि संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दर्शन पाल और ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल इंडिया के कार्यकारी प्रबंध निदेशक रमानाथ झा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बिजली कर्मचारियों, विभिन्न ट्रेड यूनियनों, किसानों की विशाल सभा को संबोधित किया। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने भी मंच पर उपभोक्ताओं की चिंताओं को रखा। प्रमुख वक्ताओं में ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के महासचिव शिवगोपाल मिश्रा, एआईपीईएफ के एके जैन, ऑल इंडिया पावर डिप्लोमा इंजीनियर्स फेडरेशन के अध्यक्ष आरके त्रिवेदी, इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज ऑफ इंडिया के महासचिव सुदीप दत्ता, यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के डी.के. अरोड़ा, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता वाई.एस. लोहित और यूपी अभियांत्रिकी संघ के महासचिव जितेन्द्र गुर्जर शामिल थे। दुबे ने कहा कि यह विरोध अब राष्ट्रीय स्वरूप ले रहा है जहां सभी वक्ताओं ने विद्युत वितरण क्षेत्र के निजीकरण का पुरजोर विरोध किया। महापंचायत में यह भी मांग की गई कि यूपीपीसीएल में विद्युत कर्मचारियों के साथ किए गए सभी उत्पीड़न को वापस लिया जाए और पूर्व में किए गए सभी समझौतों का सख्ती से पालन किया जाए।

दिल्ली के जख्म पर गुजरात और पंजाब की जीत ने लगाया मरहम

गदगद केजरीवाल ने कहा, कांग्रेस और बीजेपी को जनता ने नकारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के हाथों करारी हार झेलने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) ने भाजपा के गढ़ गुजरात में विसावदर विधानसभा सीट पर जीत का परचम लहराया है। इस सीट पर हुए उपचुनाव में आप उम्मीदवार गोपाल इटालिया जीत गए हैं। वहीं, पंजाब के लुधियाना वेस्ट सीट से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा ने जीत हासिल की है। इन दोनों सीट पर मिली जीत से आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल गदगद हैं। उन्होंने कहा कि इन दोनों सीट पर जनता ने भाजपा और कांग्रेस को नकार दिया है। केजरीवाल ने पोस्ट कर लिखा, ÷विसावदर और लुधियाना पश्चिम सीटों पर आम आदमी पार्टी की शानदार जीत पर आप सभी को बहुत बहुत बधाई। दोनों जगह पिछले चुनाव के मुकाबले लगभग दोगुने मार्जिन से जीत हुई है। ये दिखाता है कि पंजाब के लोग हमारी सरकार के कामों से बहुत ख़ुश हैं और उन्होंने 2022 से भी ज़्यादा वोट दिया है। वहीं गुजरात की जनता अब बीजेपी से परेशान हो चुकी है और उन्हें आप में उम्मीद दिख रही है। दोनों जगह कांग्रेस और बीजेपी, दोनों पार्टियां मिलकर चुनाव लड़ीं। इन दोनों का एक ही मकसद था आप' को हराना। लेकिन लोगों ने दोनों जगह इन दोनों पार्टियों को नकार दिया।'

वहीं, लुधियाना वेस्ट सीट से आप उम्मीदवार संजीव अरोड़ा की जीत पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने खुशी जाहिर की।

उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'विधानसभा हलका लुधियाना पश्चिमी उपचुनाव में आम आदमी पार्टी की शानदार जीत पर सभी को बहुत-बहुत बधाइयां। बड़ी लीड से मिली यह जीत इस बात का साफ संकेत है कि राज्य के लोग हमारी सरकार के कामों से बेहद खुश है। हम पंजाब की तरक्की और खुशहाली के लिए दिन-रात बिना किसी भेदभाव और पूरी ईमानदारी से काम कर रहे हैं। उपचुनाव के दौरान पंजाबियों से किए गए हर एक वादे को हम प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने वाले है।

आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि गुजरात और पंजाब के कार्यकर्ता को बधाई देता हूं। गुजरात की जीत पार्टी के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण है। हमारे विधायक जनता के मुद्दों को विधानसभा में मजबूती के साथ उठाएंगे। अरोड़ा पंजाब की विधानसभा में पहुंचे हैं। भगवंत मान की सरकार तीन साल से अच्छा कार्य कर रही है। विधानसभा उपचुनाव में जनता ने अपने वोट की मुहर लगाई है। राज्यसभा सीट खाली होने पर सिसोदिया ने कहा कि पार्टी जब तय करेगी तब बताया जाएगा कि कौन राज्यसभा जाएगा।

आप के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने लुधियाना वेस्ट सीट से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा की जीत पर कहा कि संजीव अरोड़ा काफी प्रसिद्ध थे। उनकी जीत से एक राज्यसभा सीट खाली होगी। भारद्वाज ने कहा कि इसे ऐसा नहीं देखा जाना चाहिए कि राज्यसभा सीट खाली कराने के लिए उन्हें चुनाव लड़वाया गया।

उपचुनावों में भाजपा की हार पर अखिलेश बोले-भाजपा अपने अंतिम दौर में

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विभिन्न राज्यों में विधानसभा सीटों पर उपचुनाव में तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की जीत पर बधाई दी है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर अखिलेश ने लिखा कि गुजरात, प. बंगाल, पंजाब, केरल के विधानसभा उपचुनावों में 80 फीसदी सीटों पर 'इंडिया गठबंधन' से संबद्ध दलों की जीत बता रही है कि भाजपा अपने अंतिम दौर में है। उन्होंने लिखा कि सभी विजयी उम्मीदवारों को हार्दिक बधाई एवं सकारात्मक-जनसेवी राजनीति के मार्ग पर वचनबद्ध होकर चलने के लिए शुभकामनाएँ! जनता की जागरूकता ही परिवर्तन लाएगी। 'इण्डिया' ही इंडिया को आगे ले जाएगा!

मुख्यमंत्री भजनलाल ने दी कांग्रेस को चुनौती, 5 साल से ज्यादा काम हमारी सरकार ने डेढ़ साल में किया

कांग्रेस ने गरीबी हटाने का नारा देकर गरीब को लूटा

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को कांग्रेस को चुनौती देकर कहा, मैं उनसे कहना चाहता हूं कि वे खुले मंच पर आ जाएं। उनके 5 साल के हिसाब से हमारे डेढ़ साल का हिसाब ऊपर न चला जाए, तब आप बता दीजिएगा। सीएम शर्मा सोमवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

सीएम भजनलाल ने कहा कि कांग्रेसी कहते हैं कि मुख्यमंत्री रुकते नहीं हैं। अरे भाई सोने के लिए और होटल में रुकने के लिए आप ही बहुत थे। राजस्थान की जनता का दर्द समझिए। राजस्थान के उस युवा का दर्द समझिए। राजस्थान की उस प्यासी धरती का दर्द समझिए।

उन्होंने कहा कि राजस्थान देश का सबसे बड़ा प्रदेश है। मैं कहना चाहता हूं उनसे कि राजस्थान में आज भी बहुत बड़ी आवश्यकता है। राजस्थान के युवा, किसान, मजदूर के लिए आज काम करने की आवश्यकता है। घर में बैठने की आवश्यकता नहीं है।

कांग्रेस पर हमलावार होकर सीएम शर्मा ने कहा कि आपने 5 साल में कितनी बिजली उत्पादन की थी। हमारी सरकार ने डेढ़ साल में कितनी बिजली उत्पादन की है। कितने कनेक्शन दिए हैं। एक बार आंकड़े मंगवा लीजिए। आप ट्वीट करते हैं जनता को क्या बताना चाहते हैं। मैं आपसे स्पष्ट कहना चाहता हूं की जनता को धोखे में रखने का काम नहीं करें।

सीएम भजनलाल ने कहा कि कांग्रेस ने बीते 70 सालों में गरीबी हटाने का नारा देकर गरीब को लूटने का काम किया। लेकिन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमने बजट में कहा था कि हम 5 हजार गांव को बीपीएल मुक्ति करने वाले है। हमने उसके लिए 300 करोड़ रुपए भी दिए और मैं आपको बताना चाहता हूं। आने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय पखवाड़े में 5 हजार गांवों को बीपीएल मुक्ति कर देने वाले है। जो हमारी योजना है उनका लाभ उन्हें मिले।

वाईएसआरसीपी प्रमुख की गाड़ी से कुचला कार्यकर्ता, रेड्डी व ड्रायवर पर मामला दर्ज

गुंटूर (एजेंसी)। आंध्र पुलिस ने वाईएसआरसीपी प्रमुख जगन मोहन रेड्डी और उनके ड्राइवर के खिलाफ पार्टी कार्यकर्ता की दुर्घटनावश मौत के लिए एफआईआर दर्ज की है। बता दें पार्टी कार्यकर्ता बुधवार को गुंटूर के बाहरी इलाके में जगन रेड्डी की कार के पहियों के नीचे आ गया था। पुलिस ने रविवार को कार चालक रमना रेड्डी को हिरासत में लिया और उससे पूछताछ की कि वह काफिले को रोके बिना आगे क्यों बढ़ गया क्यों? चीली सिंगैया को वाहन के नीचे कुचल दिया गया था।

पुलिस के मुताबिक सिंगैया नामक एक बुजुर्ग व्यक्ति इस घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए और उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गुंटूर जिले के एसपी ने कहा कि यह घटना 18 जून की बताई जा रही है, जब रेड्डी वाईएसआरसीपी नेता के परिवार से मिलने के लिए रेन्टापल्ला जा रहे थे, जिनकी पिछले साल आत्महत्या कर लेने से मौत हो गई थी। दुर्घटना के समय उनका काफिला

एतुकुरु बाईपास से गुजर रहा था। एसपी ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज ड्रोन विजुअल और परिस्थितिजन्य सामग्री समेत कई सबूतों का विश्लेषण करने के बाद यह पाया गया कि मृतक को पूर्व सीएम के वाहन ने कुचला था।

शुरुआत में मृतक की पत्नी चीली लुरधु मैरी द्वारा दर्ज की गई शिकायत के आधार पर लापरवाही से मौत से संबंधित मामला दर्ज किया था। एसपी ने कहा कि बुजुर्ग सिंगैया के बारे में सूचना मिलने पर उन्हें गंभीर रक्तस्राव की चोटें आईं। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने उनकी पत्नी चीली लुरधु मैरी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। सीसीटीवी फुटेज, ड्रोन विजुअल और परिस्थितिजन्य साक्ष्य का विश्लेषण करने के बाद पुलिस ने पुष्टि की कि मृतक को काफिले में पूर्व सीएम के वाहन ने कुचल दिया था। एसपी ने कहा कि उनके नाम आरोपियों की सूची में जोड़ दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि कानूनी कार्रवाई उचित प्रक्रिया और कानून के लागू प्रावधानों के अनुसार आगे बढ़ेगी।

भारत के बंकर बस्टर, जो ब्रह्मोस के भी हैं बाप, पलभर में खाक बन जाएंगे पाकिस्तान के परमाणु ठिकाने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पास तो कई मिसाइल और फाइटर जेट्स हैं जो पाकिस्तान के परमाणु ठिकानों को तबाह करने में कैपेबल हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने नूर खान एयरबेस पर अटैक कर इसका ट्रेलर पाकिस्तान को दिखा दिया था। बता दें कि इस एयरबेस के पास ही किराना हिल्स स्थित है, जहां पाकिस्तान के परमाणु हथियार का जखीरा मौजूद है। भारत के पास 5 ऐसे वेपन हैं जो पाकिस्तानी परमाणु ठिकानों को पलभर में खाक में मिलाने में सक्षम है।

अग्नि-5 बैलिस्टिक मिसाइल न्यूक्लियर वॉरहेड (परमाणु बम या हथियार) ले जाने में सक्षम है। इसकी रेंज 5800 किलोमीटर से भी ज्यादा है। इसी वजह से इस इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल यानी आईसीबीएम भी कहा जाता है। अग्नि-5 मिसाइल को टेक्नोलॉजी से भी लैस कर दिया गया है। एमआईआरवी को मिसाइल बस की उपमा भी दी जाती है।

ब्रह्मोस एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। शुरुआत में इसकी रेंज 290 किलोमीटर थी, जिसे बढ़ाकर अब 400 से 450 किलोमीटर किया जा चुका है। अब भारत इसे हाइपरसोनिक बनाने में जुटा है जो 1500 किलोमीटर दूर स्थित टारगेट को भी तबाह कर सकती है। बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर के समय भारत ने इसी मिसाइल से नूर खान समेत 11 एयरबेस को तबाह किया था। इसके बाद पाकिस?तान घुटनों पर आ गया था।

भारत ने एयरफोर्स के लिए फ्रांस से कटिंग एज राफेल फाइटर जेट का आयात किया है। यह जेट खतरनाक मिसाइल से लैस है जो किसी भी टारगेट को पलभर में तबाल करने में सक्षम है। खासकर स्कैल्प मिसाइल दुश्मनों के लिए काल से कम नहीं है। इसके जरिये पाकिस्तान के परमाणु ठिकानों को तबाह करना काफी आसान है। राफेल जेट 4.5 का विमान माना जाता है।

डीआरडीओ ईटी-एलडीएचसीएम हाइपरसोनिक मिसाइल डेवलप कर रहा है। बताया जा रहा है कि जल्द ही इसकी टेस्टिंग की जाएगी। यह स्क्रैमजेट इंजन से लैस है। रेंज के बारे में आधिकारिक जानकारी तो नहीं दी गई है, लेकिन इसके मीडियम रेंज के होने की संभावना है। इसकी मैक 8 यानी 11000 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से टारगेट की ओर मूव करने में कैपेबल होगी। इससे एयर डिफेंस सिस्टम के लिए इसे ट्रैक करना कतई आसान नहीं होगा। इसकी रेंज में पूरे पाकिस्तान के होने की संभावना है।

एसयू-30 एमकेआई ने कई मौकों पर भारत का साथ दिया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी इसका इस्तेमाल किया गया था। पाकिस्तान में इससे भारी तबाही मची थी। एसयू-30 एमकेआई फाइटर जेट में कई

तरह की स्वदेशी मिसाइलों को फिट किया जा सकता है, ऐसे में इसकी भीषणता और घातक होने की क्षमता काफी बढ़ जाती है। इसमें ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल को भी फिट किया जा सकता है।

इंग्लैंड के खिलाफ ऋषभ पंत ने सेंचुरी ठोक कर रचा इतिहास, ऐसा करने वाले पहले भारतीय बने

लीड्स (एजेंसी)। लीड्स में खेले जा रहे भारत और इंग्लैंड के बीच पहले टेस्ट में टीम इंडिया के उपकप्तान ऋषभ पंत का बल्ला जमकर गरज रहा है। उन्होंने एक के बाद एक करके दोनों पारियों में शतक जड़कर इतिहास रच दिया है। पंत टेस्ट इतिहास में ऐसे पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं जिन्होंने एक मैच की दोनों पारियों में सेंचुरी लगाई हो। वो पहले ही रेड-बॉल फॉर्मट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय विकेटकीपर बन चुके हैं। पंत ने पहली पारी में 134 रन बनाए तो दूसरी पारी में वह 120 गेंदों में अपना शतक पूरा कर लिया है।

भारतीय टीम ने अपना पहला ऑफिशियल टेस्ट मैच साल 1932 में खेला था। अब तक 93 साल के भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में कोई भी विकेटकीपर बल्लेबाज टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक नहीं लगा पाया है। अब पंत ऐसा करने वाले एकमात्र भारतीय विकेटकीपर बन गए हैं। पंत ऐसे पहले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं जिन्होंने इंग्लैंड में खेलते हुए किसी टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाया है।

बता दें कि, पंत ऐसे कुल सातवें भारतीय बल्लेबाज हैं जिन्होंने एक टेस्ट मैच की दो पारियं में शतक ठोका है। सुनील गावस्कर ने 3 बार ऐसा किया है जबकि राहुल द्रविड़ ने 2 बार, विजय हजारे, रोहित शर्मा, विराट कोहली, अंजिक्य रहाणे भी एक-एक बार ऐसा कर चुके हैं। अब इन दिग्गजों में पंत का नाम भी शामिल हो गया है।

रुतुराज, ईशान सहित कई क्रिकेटर काउंटी खेलते नजर आयेंगे

मुम्बई (एजेंसी)। भारत के कई क्रिकेटर आने वाले दिनों में इंग्लैंड की काउंटी टीम में खेलते नजर आयेंगे। इसमें रुतुराज गायकवाड़, ईशान किशन और तिलक वर्मा जैसे क्रिकेटर भी शामिल हैं। ये सभी अभी खाली हैं क्योंकि इनमें से किसी को भी इंग्लैंड दौरे के लिए शामिल नहीं किया गया था। ऐसे में अपने फार्मा को बनाये रखने ये सभी काउंटी जाएंगे। भारतीय खिलाड़ी आम तौर पर काउंटी में लाल गेंद या एकदिवसीय क्रिकेट में भाग लेते हैं।

रुतुराज यॉर्कशायर की ओर से पूरा सत्र खेलते हुए नजर आएंगे। वे केवल यहां रेड बॉल क्रिकेट के मैच खेलेंगे। वहीं तिलक भी काउंटी क्रिकेट में पहली बार नजर आयेंगे। वे हैम्पशायर के लिए इस सत्र में कुल 4 मैचों खेलेंगे। विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान भी काउंटी क्रिकेट खेलेंगे। वह नॉटिंघमशायर की ओर से 2 लाल गेंद वाले गेम में खेलते हुए दिखेंगे। इसके अलावा स्पिनर युजवेंद्र चहल का नाम भी इस सूची में शामिल है। वह भी भारतीय टीम से अभी बाहर हैं। वह नोर्थेम्पटनशायर के लिए काउंटी के मैच खेलेंगे, बल्कि एकदिवसीय कप भी खेलने वाले हैं। ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर का नाम भी इन खिलाड़ियों में शामिल था, जो एसेक्स के लिए सत्र के 7 मैच खेलने वाले थे पर भारतीय टीम में जगह मिलने के बाद उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया पर अगर अंत के मैचों में उनको अंतिम ग्याहर में जगह नहीं मिलती है तो वे अगस्त-सितंबर में कुछ मैच खेल सकते हैं।

सौरव गांगुली को इस बात का है सबसे ज्यादा अफसोस, इंटरव्यू के दौरान किया खुलासा

कोलकाता (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 38 शानदार शतक लगाने वाले पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली को यह संख्या रास नहीं आ रही है, उन्हें अपने क्रिकेट करियर के दौरान कई शतक चूकने का अफसोस है। अपने समय के बेहतरीन बाएं हाथ के बल्लेबाज गांगुली ने टेस्ट और वनडे में 18575 रन बनाए लेकिन अपने करियर में कई शतक चूकने का अफसोस है, जिसमें उन्होंने 311 वनडे और 113 टेस्ट मैच खेले।

गांगुली का यह पछतावा तब सामने आया जब उनसे पूछा गया कि वह अपने पुराने साथी को क्या सलाह देंगे। गांगुली ने बातचीत में कहा, 'मैंने कई शतक गंवाए, मुझे और अधिक शतक लगाने चाहिए थे। कई बार 90 और 80 रन बनाए।' उनके आंकड़ों पर गौर करें तो पता चलता है कि गांगुली कुल 30 बार 80 और 90 के बीच आउट हुए।

अगर वह उन पारियों को शतकों में बदल पाते तो अपने पहले से ही शानदार करियर में आसानी से 50 से ज़्यादा शतक बना लेते। जब भी वह अकेले होते हैं तो उन्हें अपनी पुरानी पारियां, अपने स्ट्रोकप्ले देखना बहुत पसंद है और यह उन्हें याद दिलाता है कि वह और शतक बनाने के कितने करीब थे।

पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष ने कहा, 'मैं अपने (बल्लेबाजी) वीडियो तब देखता हूं जब मैं अकेला होता हूं। जब मेरी पत्नी दूर होती है क्योंकि सारा लंदन में रहती है। मैं यूट्यूब पर जाता हूं, और देखता हूं और कहता हूं 'अरे फिर 70 पर आउट हो गया' (हे भगवान, मैं इसमें भी 70 पर आउट हो गया), मुझे शतक बनाना चाहिए था। लेकिन आप इसे बदल नहीं सकते।'

वनडे में गांगुली ने 72 अर्धशतक बनाए और टेस्ट में यह संख्या 35 है। कप्तान के तौर पर कभी-कभी मुश्किल फैसला लेना जरूरी हो जाता है। आपको किसी ऐसे खिलाड़ी को शामिल करने के लिए उसे बाहर करना पड़ता है जो आपको लगता है कि परिस्थितियों या जरूरतों के लिए ज्यादा उपयुक्त है।

गांगुली ने दुनिया के सबसे महान लेग स्पिनरों में से एक अनिल कुंबले को बाहर करने पर खेद जताया। उन्होंने कहा, 'अनिल कुंबले, कुछ बार क्योंकि वह बहुत अच्छे थे।' गांगुली के लिए ऑस्ट्रेलिया उनकी पसंदीदा प्रतिद्वंद्वी टीम थी और तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्राथ सबसे खतरनाक गेंदबाज थे।

पृथ्वी शॉ मुंबई छोड़ने के लिए तैयार, दूसरे राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए मांगी एमओसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पृथ्वी शॉ ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (MCA) से अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) मांगा है। उम्मीद है कि वह दूसरे राज्य के लिए खेल सकते हैं। भारत के सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में से एक 25 वर्षीय बल्लेबाज असंगत प्रदर्शन और ऑफ-फील्ड मुद्दों के लंबे दौर के बाद अपने गृह राज्य से दूर एक नई शुरुआत करना चाहता है। एक वरिष्ठ MCA अधिकारी के हवाले से एक न्यूज रिपोर्ट में कहा गया, 'उन्होंने हमसे NOC मांगी है और हम जल्द ही इस पर निर्णय लेंगे।'

शॉ का पिछले कुछ सत्रों में मुंबई के चयनकर्ताओं के साथ संबंध लगातार खराब होता गया है जिसका मुख्य कारण लगातार फिटनेस संबंधी चिंताएं हैं। शॉ को अपनी फिटनेस पर ध्यान देने को भी कहा गया था लेकिन उन्होंने कई बार MCA की बातों को नजरअंदाज किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार शॉ को दो से तीन अन्य राज्यों से रुचि मिली है। अगर उन्हें NOC मिल जाती है, तो वे 2025-26 के घरेलू सत्र के लिए किसी अन्य राज्य की टीम के साथ पंजीकरण कर सकते हैं। खराब फिटनेस रिपोर्ट के बाद स्टार बल्लेबाज को रणजी ट्रॉफी टीम से बाहर कर दिया गया था। टीम प्रबंधन ने MCA को सूचित किया था कि शॉ का बॉडी फैट प्रतिशत अधिक है। उन्हें अपने स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए दो सप्ताह के विशेष फिटनेस कार्यक्रम में भी शामिल होने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, बार-बार चेतावनी के बावजूद शॉ आवश्यक फिटनेस मांगों को पूरा करने में असमर्थ रहे।

MCA की चयन समिति ने कथित तौर पर शॉ से यह भी कहा कि जब तक वह अतिरिक्त वजन कम नहीं कर लेते और अपनी स्थिति में सुधार नहीं कर लेते, तब तक उन्हें चयन के लिए नहीं चुना जाएगा। नतीजतन उन्हें दिसंबर (2024) में विजय हजारे ट्रॉफी टीम से भी बाहर कर दिया गया। घरेलू और आईपीएल अभियान में निराशाजनक प्रदर्शन भी शॉ के अनुकूल नहीं हैं।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान 2024-25 उन्होंने नौ मैचों में केवल 21.88 की औसत से केवल 197 रन बनाए। उस खराब प्रदर्शन के कारण उन्हें बीच सत्र में ही बाहर कर दिया गया। दिल्ली कैपिटल्स (DC) के साथ IPL 2024 में 8 मैचों में 24.75 की औसत और 163.63 की स्ट्राइक रेट से 198 रन बनाए। इसके बाद DC ने उन्हें IPL 2025 की मेगा नीलामी से पहले रिलीज कर दिया, जहां वे 75 लाख का बेस प्राइस के बावजूद नहीं बिके। शॉ का अंतरराष्ट्रीय करियर भी अंधेरे मे नजर आ रहा है क्योंकि 2018 में शतक के साथ धमाकेदार टेस्ट डेब्यू करने के बाद से अब तक उन्होंने सिर्फ 5 टेस्ट खेले हैं, और 42.37 की औसत से 339 रन बनाए हैं।

नासिर हुसैन बोले, हैरी को बाउंसरों के खिलाफ अपनी कमजोरी दूर करनी होगी

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा है कि भारतीय टीम के साथ चल रही इस सीरीज पर ऑस्ट्रेलियाई टीम की भी नजरें लगी होंगी क्योंकि इस साल हमें एशेज सीरीज भी खेलनी है। नासिर ने हेरी ब्रुक की बल्लेबाज की भी प्रशंसा पर कहा कि उन्हें बाउंसरों के खिलाफ अपनी कमजोरी को दूर करना होगा क्योंकि इससे ऑस्ट्रेलियाई टीम भी देख रही होगी। पूर्व कप्तान ने लिखा, 'ब्रुक के लिए समस्या शॉर्ट गेंद है और ऑस्ट्रेलिया भी इसे देख रहा है। टीमें पहले उनके खिलाफ एक तय रणनीति आजमा सकती हैं, वह बाउंसर का किस प्रकार सामना करेंगे। ये उन्हें देखना होगा। हुसैन ने कहा कि भारतीय टीम आने वाले टेस्ट मैचों में ब्रुक की परीक्षा शॉर्ट गेंदों से लेगी। जिससे उन्हें तेजी से रन बनाने का अवसर भी मिलेगा। इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया के बड़े मैदानों पर मुकाबला जोखिम वाला होगा वह भी कुछ ऐसा है जिसे आप हमेशा तौलते रहते हैं। इसके जवाब में आपको इसे किसी तरह से समाप्त करने की कोशिश करनी होगी। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने ब्रुक को पहली पारी में शॉर्ट गेंद पर पर शून्य पर आउट किया था हालांकि नो बाल होने से वह बच गये थे। इसके बाद 99 रन तक पहुंचने के बाद वह प्रसिध कृष्णा की एक बाउंसर गेंद पर सही से शॉट नहीं लगा पाने के कारण कैच होकर पेवेलियन लौट गये थे।

प्रसिद्ध कृष्णा के नाम जुड़ा ये शर्मनाक रिकार्ड

लीड्स। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के नाम यहां इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में एक ऐसा रिकार्ड जुड़ गया जिसे वह भूलना चाहेंगे। इस मैच में कृष्णा ने 3 विकेट लिए पर काफी रन लुटा दिये। भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में किसी गेंदबाज की पहली बार इतनी पिटाई हुई है। कृष्णा ने दूसरी पारी में 20 ओवर में 128 रन दे दिये। टेस्ट क्रिकेट में इससे ज्यादा रन कई गेंदबाजों ने दिये हैं पर प्रसिद्ध कृष्णा का इकॉनमी रेट काफी खराब रहा। उन्होंने 6.40 के औसत से रन दिये कृष्णा इसी के साथ 6 से अधिक की इकॉनमी के साथ एक पारी में सबसे ज्यादा रन देने करने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 6 से अधिक की इकॉनमी के साथ किसी गेंदबाज ने रन नहीं दिये हैं। प्रसिद्ध कृष्णा से पहले यह रिकॉर्ड मुरली कार्तिक के नाम था जिन्होंने 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट में 122 रन दिये थे। वहीं अतुल वासन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड में 1990 में 108 रन दिये थे। जबकि मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में साल 2022 में 98 रन दिये थे। श्रीसंत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सेंट जॉन्स में साल 2006 में

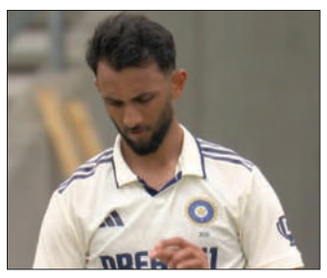

रोहित शर्मा के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 18 साल पूरे, खास दिन सोशल मीडिया पर जताया आभार

नई दिल्ली - जून 2007 में आयरलैंड के खिलाफ 20 वर्षीय रोहित शर्मा ने 18 साल पहले आज ही के दिन (23-6-2007) अपना अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू किया था। भारत के लिए दो बार आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाले कप्तान ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 18 साल पूरे करने पर अपना आभार व्यक्त किया। 'हिटमैन' ने खास मौके पर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट किया, 'हमेशा आभारी, 23.06.07।' रोहित की कप्तानी में भारत 2023 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा और अगले साल एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में पहुंचा, हालांकी टीम दोनों बार ट्रॉफी से चूक गया। उन्होंने 2024 में भारत को टी20 विश्व कप खिताब दिलाकर आईसीसी ट्रॉफी के 13 साल के इंतजार को खत्म किया और फिर 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर फैंस और देशवासियों को एक बार फिर से खुश होने का मौका दिया। रोहित 2024 में 150 से अधिक T20I में खेलने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए, हालांकि उन्होंने भारत की टी20 विश्व कप जीत के बाद इस प्रारूप से संन्यास की घोषणा की। शर्मा ने सभी प्रारूपों में 499 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 19,700 रन बनाए हैं। उनके नाम वनडे में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड है, उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 264 रन बनाए थे।

अनुभवी फॉरवर्ड ललित उपाध्याय ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से लिया संन्यास

एंटवर्प (एजेंसी)। एफआईएच प्रो लीग में भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा रहे अनुभवी फॉरवर्ड ललित कुमार उपाध्याय ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास ले लिया। बेल्जियम के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग 2024-25 सीजन के यूरोपीय चरण के भारत के अंतिम मैच के तुरंत बाद ललित ने सोशल मीडिया मंच के जरिए अंतरराष्ट्रीय हॉकी से अपने संन्यास लेने की घोषणा की। उन्होंने इस दौरे पर चार मैचों में हिस्सा लिया और उन्होंने 15 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेला था।

ललित ने 2014 हॉकी विश्व कप में भारतीय टीम में पदार्पण किया। वह एक बेहतरीन प्लेमेकर रहे, जो नियमित आधार पर गोल भी करते थे, उन्होंने कुल मिलाकर सीनियर राष्ट्रीय टीम के लिए खेले 183 मैचों 67 गोल किए। पिछले कुछ वर्षों में,

वह भारत की फॉरवर्ड लाइन में एक विश्वसनीय नाम बन गए थे। वह अपनी बहुमुखी प्रतिभा, मैदान पर बुद्धिमत्ता और उच्च दबाव की स्थितियों में शांत व्यवहार के लिए जाने जाते हैं।

वह टोक्यो 2020 ओलंपिक में इतिहास रचने वाली टीम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थे, जिसने भारत को लंबे समय से प्रतीक्षित कांस्य पदक जीतने में मदद की और पेरिस 2024 ओलंपिक में यह उपलब्धि दोहराई। ओलंपिक गौरव के अलावा ललित ने 2016 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी, 2017 एशिया कप में भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जहां उन्होंने चार गोल किए थे उनके पदकों से भरे करियर में ओडिशा पुरुष हॉकी विश्व लीग फाइनल 2017 में कांस्य, एफआईएच पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2018 में रजत, 2018 एशियाई खेलों में कांस्य और 2018 पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण पदक शामिल हैं।

ललित एफआईएच प्रो लीग 2021-22 में तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम का भी हिस्सा थे और हांग्जो में एशियाई खेलों 2022 में स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय हॉकी में उनके योगदान के लिए ललित को 2021 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कार्लोस अल्काराज ने लेहेका को हराकर दूसरा क्वींस क्लब खिताब जीता

लंदन। कार्लोस अल्काराज ने रविवार को जिरी लेहेका को 7-5, 6-7(5), 6-2 से हराते हुए एचएसबीसी चैंपियनशिप 2025 का फाइनल अपने नाम कर लिया। यह उनका दूसरा क्वींस क्लब खिताब है। 22 साल के स्पेनिश खिलाड़ी ने इस सीजन का पांचवां खिताब जीता। उनके करियर की यह 21वीं टूर-लेवल ट्रॉफी है, जिसे जीतने के लिए उन्होंने रोमांचक और शानदार खेल का प्रदर्शन किया। जीत के बाद अल्काराज ने कहा, 'यह टूर्नामेंट मेरे लिए खास है। मैं एक बार फिर ट्रॉफी उठाकर खुश हूं। मैं बिना किसी उम्मीद के यहां आया था। बस अच्छा टेनिस खेलने की कोशिश रही। मैं भाग्यशाली था कि चैंपियन बना। यहां मेरे बहुत सारे दोस्त और परिवार हैं, जिन्होंने मुझे कोर्ट के अंदर और बाहर वास्तव में सहज महसूस कराया।' फाइनल में लेहेका के खिलाफ खेलते हुए अल्काराज ने पहले सेट में बढ़त हासिल की थी। वह दूसरे सेट में तनावपूर्ण टाई-ब्रेक में बेहद कम अंतर से हार गए। लेकिन निर्णायक सेट में जोरदार वापसी की और ग्रास-कोर्ट में अपने अनुभव और क्षमता को दिखाया और सेट जीतने के साथ ही खिताब पर भी कब्जा किया। लेहेका का यह पहला ग्रास-कोर्ट फाइनल था। ग्रास कोर्ट पर अल्काराज का यह चौथा खिताब था। वह नोवाक जोकोविच, माटेओ बेरेटिनी, टेलर फ्रिट्ज और निकोलस माहुत के साथ चार या उससे अधिक खिताब जीतने वाले एकमात्र सक्रिय खिलाड़ी बन गए। दो बार के डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में विंबलडन में प्रवेश करते हुए, अल्काराज ने 18 मैचों की जीत की लकीर खींची है। यह अबतक का उनका सबसे लंबा जीत क्रम है। मियामी में आश्चर्यजनक रूप से बाहर होने के बाद से अल्काराज लगभग अजेय रहे हैं। उन्होंने 27-1 का रिकॉर्ड बनाया है और मोटे-कार्लो, रोम, रोलैंड गैरोस और अब लंदन में प्रतिष्ठित खिताब जीते हैं। उन्होंने पीआईएफ एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में जैनिक सिनर पर अपनी बढ़त भी बढ़ा ली है। फाइनल गंवाने के बाद लेहेका ने कहा, 'मेरे लिए अब शब्द ढूंढने मुश्किल हैं। लेकिन, मैं बहुत खुश हूं कि मुझे आज खिताब के लिए लड़ने का मौका मिला। मैंने आज अपना सबकुछ दिया, दुर्भाग्य से यह पर्याप्त नहीं था। कार्लोस और उनकी टीम को शानदार काम करने के लिए बधाई।'

ईरान की धमकी के बाद डब्लयूडब्ल्यू ई पर मंडराया खतरा

न्यूयार्क। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष बढ़ने के कारण अगले सप्ताह सऊदी अरब में होने वाला डब्लयूडब्ल्यू ई इवेंट नाइट ऑफ चैंपियंस शो रद्द हो सकता है। इसका कारण हवाई यात्रा करने के लिए जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि मिसाइल हमले हो सकते है हालांकि सऊदी अरब की सुरक्षा व्यवस्था काफी मजबूत है। इसलिए अभी तक शो को रद्द करने की कोई घोषणा नहीं हुई है। वहीं इस बारे में आयोजकों का कना है कि अभी तक नाइट ऑफ चैंपियंस की योजना में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वहीं अमेरिका के हमलों से भड़के ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा है कि क्षेत्र में मौजूद हर अमेरिकी नागरिक या सैन्यकर्मी अब हमारा निशाना है। इस बयान के बाद लोग सवाल कर रहे हैं कि क्या यह शो होना चाहिए, क्योंकि डब्लयूडब्ल्यू ई एक अमेरिकी शो है जिसे पूरी दुनिया में देखा जाता रहा है। ईरान की धमकी के बाद कई लोग इस शो को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका के ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला करने के बाद भी कूटनीति के लिए अभी भी बहुत जगह बची है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने परमाणु ठिकानों पर हमला करके एक बहुत बड़ी लाल रेखा पार कर दी है। हमें आत्मरक्षा के अपने वैध अधिकार के आधार पर जवाब देना होगा। गौरतलब है कि सऊदी अरब में पहले भी डब्लयूडब्लयू ई के इवेंट हुए हैं। सऊदी अरब की सरकार सुरक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार है। लेकिन ईरान की धमकी के बाद लोगों में डर का माहौल है। अब देखना यह है कि इस इवेंट को लेकर क्या फैसला होता है।

इस सत्र में मेरा लक्ष्य विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतना है : नीरज चोपड़ा

ओस्ट्रावा (चेक गणराज्य) (एजेंसी)। भारत के भाला फेंक के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा नियमित रूप से 90 मीटर थ्रो करने का खुद पर किसी तरह का दबाव नहीं बनाना चाहते हैं और इस सत्र के लिए उनका लक्ष्य तोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष स्थान हासिल करना है।

चोपड़ा मंगलवार को यहां गोल्डन स्पाइक एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेंगे और उससे पहले वह काफी अच्छा महसूस कर रहे हैं। चोपड़ा ने पिछले हफ्ते पेरिस डायमंड लीग में 88.16 मीटर की थ्रो के साथ जूलियन वेबर को हराकर जीत हासिल की थी। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ने कहा कि चेक गणराज्य के महान खिलाड़ी जान ज़ेलेज़नी का कोच के रूप में साथ और अपनी कड़ी मेहनत के दम पर उन्हें अच्छे परिणाम हासिल करने का पूरा भरोसा है।

इस 27 वर्षीय खिलाड़ी ने दोहा में सत्र के शुरूआती डायमंड लीग प्रतियोगिता में अपने करियर में पहली बार 90 मीटर की दूरी पार की थी और वह अपनी प्रगति से बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा, 'मैं ऐसे बेहतरीन खिलाड़ी और कोच के साथ काम करके वाकई बहुत खुश हूं। तकनीक में थोड़ा और सुधार करने के बाद मैं इस साल पहले ही 90 मीटर फेंक चुका हूं। देखते हैं कि मैं अगली बार कब यह दूरी फिर से हासिल करूंगा लेकिन मैं तैयार हूं। हाल ही में हमने निम्बर्क (चेक गणराज्य) में अच्छा अभ्यास किया इसलिए मैं यहां ओस्ट्रावा में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को लेकर आश्वस्त हूं।' हरियाणा के इस खिलाड़ी ने कहा, 'इस सत्र का मुख्य लक्ष्य निश्चित रूप से तोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप है।'

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप इस साल 13 से 21 सितंबर के बीच जापान की राजधानी में आयोजित की जाएगी। चोपड़ा मंगलवार को यहां होने वाली का प्रतियोगिता को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, 'जब मैं छोटा था तो मैंने उसैन बोल्ट जैसे एथलीटों के यहां प्रतिस्पर्धा करते हुए बहुत सारे वीडियो और तस्वीरें देखी थीं। मैं पिछले साल यहां आया था, लेकिन चोट के कारण प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाया था।' चोपड़ा ने कहा, 'अब मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं, लेकिन मैं 90 मीटर के लिए खुद पर किसी तरह का दबाव नहीं बनाना चाहता हूं पर मैं इसके लिए अपनी तरफ से पूरे प्रयास करूंगा।'

ओलंपिक डे पर बोले आईसीसी प्रमुख जय शाह, क्रिकेट ओलंपिक आंदोलन का

दुबई। आज ओलंपिक डे के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने कहा कि क्रिकेट ओलंपिक आंदोलन का हिस्सा है। जय शाह ने सोशल मीडिया में लिखा, क्रिकेट ने हमेशा हमें एकजुट किया है, और अब यह ओलंपिक आंदोलन का हिस्सा है। इस ओलंपिक डे पर खेल की शक्ति का जश्न मनाएं जो प्रेरित करता है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के 'लेट्स मूव इंडिया' अभियान को बढ़ावा दें एक कदम चलने, दौड़ने या क्रिकेट खेलने के लिए आमंत्रित करें और एक मजबूत, स्वस्थ भारत की ओर कदम बढ़ाएं। साथ मिलकर, ओलंपिक खेलों को घर लाने की हमारी यात्रा में आगे बढ़ते रहें। वहीं बीसीसीआई ने भी ओलंपिक को लेकर पोस्ट किया। भारत ने पहले 2032 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक की मेजबानी में रुचि दिखाई थी पर अब उसने 2036 सत्र के लिए आधिकारिक बोली लगाई है, जिसमें अहमदाबाद संभावित मेजबान शहर हो सकता है। भारत को मेजबानी के लिए पोलैंड, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका, कतर, हंगरी, तुर्की, मेक्सिको और मिस्र से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। क्रिकेट साल 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों में एक सदी से अधिक समय बाद शामिल किये जा रहे हैं। इसको लेकर सभी क्रिकेट खेलेन वाले देशों में उत्साह है। उनका मानना है कि इससे क्रिकेट तेजी से आगे बढ़ेगा।

सेलिना जेटली ने मिस यूनिवर्स के सफर को किया याद

बॉलीवुड एक्ट्रेस सेलिना जेटली ने बहुत कम उम्र में मिस यूनिवर्स 2001 में चौथी रनर-अप बनकर देश को गौरवान्वित किया। सोशल मीडिया पर उन्होंने एक भावुक पोस्ट के जरिए इस अनुभव को याद किया। उन्होंने अपनी कई शानदार तस्वीरें शेयर कीं और एक लंबा नोट भी लिखा।

रनर-अप बनने के सफर को किया याद

भारत में उनके रनर-अप दर्जे को मीडिया ने किस तरह देखा, इसका खुलासा करते हुए सेलिना ने लिखा, रनर-अप मिस यूनिवर्स 2001 घर वापस आकर, स्वागत उस पल से बिल्कुल मेल नहीं खाता था। ज्यादातर सुर्खियां रही थीं दुर्भाग्य से... भारत मिस यूनिवर्स रनर-अप के रूप में आया। सिर्फ 56 की लंबाई के साथ, मैं एक किशोरी के रूप में दुनिया की 103 सबसे चमकदार महिलाओं के बीच मिस यूनिवर्स 2001 में भारत के लिए रनर-अप जीतते हुए खड़ी थी। एक ऐसा कारनामा जो भारत अगले 20 साल तक नहीं दोहराएगा।

लोगों ने निकाली खामियां

सेलिना ने आगे लिखा, फिर भी मुझे दयापूर्ण सलाह मिली- बहुत छोटी, बहुत ईमानदार, तुम्हारा मंगल खराब हो गया है, बेटा। यह बहुत ही मजेदार था। यह दिल तोड़ने वाला था। लेकिन इसने मुझे बनाया। इस चमक-दमक के पीछे धैर्य था... बिना वेतन वाली नौकरी, लगातार ऑडिशन और यह शांत विश्वास कि ब्रह्मांड मेरे साथ है। मैं 15 साल से एक कामकाजी मॉडल थी। उस यात्रा ने मुझे मिस इंडिया 2001 जीतने और वैश्विक मंच पर ले जाने का मार्ग प्रशस्त किया।

एक अधिकारी ने कैसे की मदद

सेलिना ने आगे लिखा, मैं 11 सूटकेस, पूरे शरीर की वैक्स, फेशियल और दृढ़ निश्चय के साथ मुंबई से रवाना हुई, जिसका परीक्षण तुरंत हवाई अड्डे पर हुआ। मैंने खुद को पांच ट्रॉलियों को घूरते हुए पाया, जिन्हें मुझे अकेले टर्मिनलों में धकेलना था। मैं रो रही थी, जब तक कि एक दयालु अधिकारी एक देवदूत की तरह प्रकट नहीं हुआ और मेरी मदद की।

सफर पर आगे बढ़ते रहना

सेलिना ने आगे लिखा, मैं कई देशों के प्रतियोगियों के साथ न्यूयॉर्क से उड़ान पर सवार हुई। कई ने अपने साथियों के साथ बिजनेस क्लास में उड़ान भरी... संयमित, लाड़-प्यार से भरे और पूरी तरह से तैयार। इस बीच, सुश्री रूस और मैं पीछे बैठे थे, एक तंग शौचालय में कपड़े बदलने की कोशिश कर रहे थे, जो सैन जुआन की उड़ान के अधिकांश समय तक व्यस्त रहा। तभी मुझे एहसास हुआ... कि यह सब कितना बड़ा है मैं आगे बढ़ रही थी. दांव पर. दबाव. और शांत अहसास- मुझे उठना होगा और पल का सामना करना होगा।

'सितारे जमीन पर' से चमकेगा जेनेलिया का करियर

खत्म होगी हिट की तलाश

आमिर खान की मच अवेटेड फिल्म 'सितारे जमीन पर' रिलीज हो गई है। फिल्म को क्रिटिक्स की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म में आमिर खान के साथ जेनेलिया डिसूजा भी अहम भूमिका में नजर आ रही हैं। एक ओर जहां ये फिल्म आमिर खान के लिए काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, तो वहीं दूसरी ओर जेनेलिया के करियर के लिए भी ये फिल्म एक अहम कड़ी साबित हो सकती है।

अगर जेनेलिया के करियर को देखें तो उनके खाते में कोई बड़ी हिट नहीं है। वहीं जेनेलिया के खाते में उतनी फिल्में भी नहीं हैं, जितना उनको इंडस्ट्री में वक्त हो चुका है। ऐसे में 'सितारे जमीन पर' से जेनेलिया को काफी उम्मीदें हैं। देखना ये है कि क्या 'सितारे जमीन पर' से जेनेलिया के करियर को रफ्तार मिलेगी या नहीं। जानते हैं जेनेलिया की पिछली फिल्मों का क्या रहा हाल।

ट्रायल पीरियड

2021 में आई जेनेलिया की फिल्म 'ट्रायल पीरियड' में मानव कौल प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। ये कॉमेडी-ड्रामा फिल्म सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर रिलीज हुई थी। फिल्म मजेदार थी, लेकिन ये कब आई, कब चली गई किसी को पता भी नहीं चल। फिल्म में जेनेलिया ने एक सिंगल मदर का किरदार निभाया है, जो अपने बेटे की जिद पर 30 दिनों के लिए किराए पर पिता लेती है। पिता का किरदार मानल कौल ने निभाया है।

मिस्टर मम्मी

'मिस्टर मम्मी' भी 2022 में आई एक कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म में भी जेनेलिया के साथ उनके पति रितेश देशमुख प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। हालांकि, फिल्म कब आई कब चली गई, किसी को पता नहीं चला। इस फिल्म का निर्देशन शाद अली ने किया है। फिल्म का सब्जेक्ट अच्छा था, लेकिन फिल्म की कमजोर कहानी इसकी नैय्या पार नहीं लगा पाई।

वेद

'वेद' एक मराठी फिल्म है। इसे हिंदी में भी रिलीज किया गया था। इस फिल्म में जेनेलिया के साथ रितेश देशमुख प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। इस फिल्म का निर्देशन भी रितेश देशमुख ने ही किया है। ये फिल्म मराठी में तो काफी हिट रही थी और ब्लॉकबस्टर मानी गई थी। हालांकि, हिंदी भाषा में फिल्म कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई।

2022 में लंबे ब्रेक के बाद लौटी थीं जेनेलिया

2022 से पहले जेनेलिया एक लंबे ब्रेक पर थीं। इससे पहले 2014 में आई मराठी फिल्म 'लै भारी' में जेनेलिया एक छोटी सी भूमिका में नजर आई थीं। इस फिल्म में भी प्रमुख भूमिका में रितेश देशमुख ही थे। इससे पहले इसी साल जेनेलिया सलमान खान की फिल्म 'जय हो' में भी एक छोटे से रोल में दिखाई दी थीं। इसके आठ साल बाद ही जेनेलिया 'वेद' और 'मिस्टर मम्मी' में नजर आई थीं।

वॉर 2 में एक्शन सीन को दमदार बनाने में लगा सबसे ज्यादा समय

फिल्ममेकर अयान मुखर्जी ने फिल्म वॉर 2 को डायरेक्ट करने का अनुभव शेयर किया। उन्होंने इसे रोमांचक सफर करार दिया। कहा कि वह इस फिल्म के जरिए अपनी नई सोच और नया अंदाज लाना चाहते हैं। अयान मुखर्जी ने कहा है, मेरे लिए वॉर 2 फिल्म को डायरेक्ट करना रोमांचक सफर था। ब्लॉकबस्टर फ्रैंचाइज की फिल्म को आगे बढ़ाना बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है और उसमें अपनी छाप छोड़ना और भी जरूरी हो जाता है। मैंने वॉर 2 को डायरेक्ट करने का मौका एक मजेदार अनुभव की तरह देखा है, जिसमें मैं पहली फिल्म को सम्मान दे सकूं। इसमें कुछ नया और अलग अंदाज में कर सकूं।

फिल्ममेकर ने बताया कि उन्होंने कहानी पर खास ध्यान दिया। वह फिल्म में दो बड़े स्टार, ऋतिक रोशन और एनटीआर, के बीच ऐसा जबरदस्त टकराव दिखाना चाहते हैं जिसे देख दर्शक तालियां बजाने पर मजबूर हो जाएं। अयान मुखर्जी ने कहा, हमें पहले से बनी हुई फिल्म और उसके माहौल को ध्यान में रखते हुए काम करना होता है, और फिर ऐसा कुछ नया दिखाना होता है जो फैंस को पसंद आए। एक डायरेक्टर के तौर पर मैंने पूरी ईमानदारी से इस एहसास को फिल्म में लाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि वॉर 2 की हर चीज, कहानी, एक्शन, सीन आदि को बहुत ध्यान से तैयार किया है, ताकि दर्शकों को थियेटर में फिल्म देखने में मजा आए और एक खास अनुभव महसूस हो। अयान मुखर्जी ने कहा, फिल्म में ऋतिक और एनटीआर के बीच हुए एक्शन सीन को दमदार बनाने में सबसे ज्यादा समय लगा है। यह एक ऐसी फिल्म है जो भारतीय सिनेमा की ताकत को दिखाती है, फिल्म दर्शकों को ऐसा जोश देने वाली है जैसा पहले कभी नहीं देखा गया होगा। उन्होंने कहा, वॉर 2 सच में भारतीय सिनेमा की एक बड़ी मिसाल है, क्योंकि इसमें दो बहुत बड़े अभिनेता, ऋतिक और एनटीआर, साथ आ रहे हैं। ऐसे में फिल्म को लेकर लोगों की उम्मीदें भी बढ़ गई हैं। वॉर 2 14 अगस्त को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

उज्ज्वल निकम का रोल निभाएंगे राजकुमार राव

मुंबई में हुए 26/11 आतंकी हमलों पर एक नई फिल्म की तैयारी हो रही है। जिसमें एक्टर राजकुमार राव लीड रोल करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, इस फिल्म में उज्ज्वल निकम की भूमिका अभिनेता राजकुमार राव निभा रहे हैं। निकम देश के सबसे चर्चित पब्लिक प्रोसिक्यूटर रहे हैं। उन्होंने कई हाई-प्रोफाइल केस लड़े हैं। 26/11 केस में उनकी भूमिका सबसे अहम मानी जाती है। हालांकि, यह फिल्म पूरी तरह से उज्ज्वल निकम की बायोपिक नहीं होगी। फिल्म में सिर्फ उस केस पर फोकस किया जाएगा, जिसमें निकम ने आतंकी अजमल कसाब के खिलाफ केस लड़ा था।

फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं अविनाश

अरुण धावरे फिलहाल इस फिल्म का कोई टाइटल तय नहीं हुआ है। फिल्म का निर्देशन अविनाश अरुण धावरे कर रहे हैं। अरुण धावरे ने प्राइम वीडियो की सीरीज पाताल लोक के दोनों सीजन, किला व थ्री ऑफ अस का निर्देशन किया है। पटकथा सुमित रॉय ने लिखी है। सुमित ने रॉकी और रानी की प्रेम कहानी, जुबान और गहराइयां जैसी फिल्मों का स्क्रीनप्ले भी लिखा है।

बता दें कि पहले चर्चा थी कि इस रोल को आमिर खान निभाएंगे, लेकिन वो 'सितारे जमीन पर' प्रोजेक्ट में व्यस्त होने की वजह से फिल्म से हट गए। इसके बाद राजकुमार राव को यह रोल ऑफर किया गया। फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स द्वारा किया जा रहा है। प्रोडक्शन हाउस ने साफ किया है कि यह एक पारंपरिक बायोपिक नहीं होगी। फिल्म सिर्फ 26/11 केस से जुड़े कोर्ट रूम ड्रामा और कानूनी लड़ाई पर आधारित होगी। बता दें कि उज्ज्वल निकम ने इस केस में कसाब के खिलाफ सबूत पेश किए और कोर्ट से उसे सजा दिलवाई।

राजकुमार पहले भी निभा चुके हैं वकील का रोल

राजकुमार राव इससे पहले भी वकील की भूमिका निभा चुके हैं। फिल्म 'शाहिद' में उन्होंने वकील शाहिद आजमी का किरदार निभाया था। इस रोल के लिए उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था। वहीं, राजकुमार जल्द ही फिल्म 'मालिक' में भी नजर आएंगे। यह एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है जिसमें वे गैंगस्टर की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का निर्देशन पुलकित कर रहे हैं।

प्रिया ब्यूटी पार्लर से परिणय सूत्र तक बैक टू बैक फिल्में कर रहीं रानी

भोजपुरी अदाकारा रानी चटर्जी का करियर इन दिनों बुलंदी पर है। वे जिस तेजी से एक के बाद एक फिल्मों की शूटिंग कर रही हैं और नई-नई फिल्में उनकी झोली में आ रही हैं, उन्हें अगर भोजपुरी सिनेमा की लेडी अक्षय कुमार कहा जाए तो, शायद गलत नहीं होगा। हाल ही में उनकी फिल्म प्रिया ब्यूटी पार्लर यूट्यूब पर रिलीज हो चुकी है। इसके अलावा वे कई अन्य फिल्मों को लेकर चर्चा में हैं।

परिणय सूत्र

रानी चटर्जी ने हाल ही में इस फिल्म की शूटिंग शुरू की है। उन्होंने मुहूर्त पूजा की तस्वीरें शेयर कर इस फिल्म में काम करने की जानकारी फैंस से साझा की। इसमें रानी के साथ राकेश बाबू लीड रोल में हैं।

अम्मा

इस फिल्म का बीते दिनों ही ट्रेलर रिलीज किया गया। यह फिल्म एक सौतेली मां के संघर्ष पर आधारित है। फिल्म में, रानी चटर्जी एक ऐसी सौतेली मां का किरदार निभा रही हैं जो अपने पति के पहले विवाह से हुए बच्चों के साथ तालमेल बैठाने की कोशिश करती हैं। फिल्म में रानी चटर्जी, राकेश बाबू, श्वेता वर्मा, कंचन शशि, वंदना साहू और अयाज खान जैसे सितारे हैं।

घमंडी बहू

इसके अलावा रानी चटर्जी के पास में फिल्म घमंडी बहू भी है, जिसकी शूटिंग उन्होंने हाल ही में पूरी की। फिल्म के नाम से ही जाहिर है कि इसमें वे बहूरानी अवतार में नजर आएंगी। टाइटल काफी दिलचस्प है।

चुगलखोर बहुरिया

इस साल रानी की झोली में यह भोजपुरी फिल्म भी आई। इसमें रानी चटर्जी के साथ अवधेश मिश्रा, प्रीति शुक्ला, देव सिंह, रितेश उपाध्याय, ज्योति मिश्रा, अनिता रावत और जे नीलम जैसे कलाकार भी हैं। रानी ने इसी साल फरवरी में इस फिल्म की जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर की थी।

हम हैं जेठानी

पिक्चर अभी बाकी है! हम हैं जेठानी के बिना लिस्ट पूरी कैसे हो सकती है भला? इसके अलावा मायके के टिकट कटा दी पिया भी रानी चटर्जी की इस साल की फिल्मों में शामिल है।

अपने ही बच्चों को क्यों नहीं पसंद काजोल की फिल्में?

काजोल अपनी अपकमिंग फिल्म 'मां' को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। इन दिनों वह इस फिल्म का प्रमोशन कर रही हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में काजोल ने अपने बच्चों के बारे में बात की। इसी बातचीत में बताया कि क्यों बच्चों को काजोल की फिल्में पसंद नहीं आती हैं।

सहम जाते हैं काजोल के बच्चे

फिल्मीज्ञान से की गई बातचीत में काजोल कहती हैं, 'मेरे बच्चों को मेरी फिल्में पसंद नहीं है। हां, वह मेरी एक्टिंग की तारीफ करते हैं। मगर जब बड़े पर्दे पर मुझे रोते हुए देखते हैं तो सहम जाते हैं। मैं कई बार कहती हूं कि ये एक्टिंग है, सच में ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। बस इसी एक वजह से बच्चे मेरी फिल्में नहीं देखते हैं।'

बच्चों को जिंदगी से जुड़े सबक भी दिए

हाल ही में इंस्टेंट बॉलीवुड को दिए इंटरव्यू में भी काजोल ने अपने बच्चों के बारे में बात की है। वह कहती हैं, 'मैंने अपनी मां तनुजा से कई सारी बातें, सबक सीखे हैं। कोशिश की है कि वहीं बातें अपने बच्चों को भी बताऊं। सबसे पहले मैंने उन्हें खुद के बारे में सोचना सिखाया है। इसके अलावा अपने फैसले खुद लेने की सीख दी है। सबसे बड़ी बात जो मैंने बच्चों को समझाई है कि वो जैसे भी हैं, बिल्कुल अच्छे हैं, उन्हें किसी के जैसा बनने की जरूरत नहीं है।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।